मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

संवत 2082, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 83 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 जंगलों की आग को कैसे नियंत्रित करें

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अफवाहों पर लगाया विराम, कहा.. 6

ईडी की बड़ी कार्रवाई

सीए नरेश केजरीवाल के 15 ठिकानों पर फेमा उल्लंघन मामले में छापेमारी

रांची सहित देश के 15 ठिकानों पर मारा गया छापा, जांच एजेंसी को मिले कई साक्ष्य

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए नरेश केजरीवाल और उनके परिवार के खिलाफ बड़ी छापेमारी की। यह कार्रवाई फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा लेन-देन के नियमों के उल्लंघन के मामले में हुई है। ईडी ने रांची के चर्च कॉम्प्लेक्स स्थित उनके कार्यालय के साथ मुंबई और सूरत में भी कुल 15 ठिकानों पर रेड मारी है।

यह झारखंड में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) और मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) के तहत की गई यह ईडी की पहली छापेमारी है। छापेमारी के दौरान

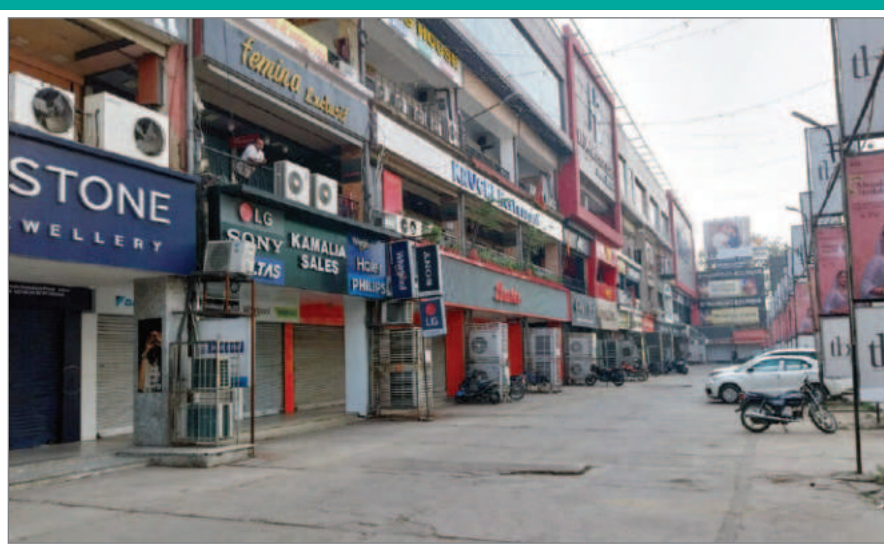

ईडी विदेशी संपत्तियों और उनके कागजी दस्तावेजों की जांच कर रही है क्योंकि ये संपत्तियां कानूनी दस्तावेजों में नहीं दिख रही हैं, जिससे अवैध धन शोधन का संदेह बनता है। ईडी इस कार्रवाई से सीमा-पार होने वाले अवैध लेन-देन से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक और दस्तावेजी साक्ष्य इकट्ठा कर रही है।

ईडी ने इस मामले में जांच आयकर विभाग की रिपोर्ट के आधार पर शुरू की, जिसमें नरेश केजरीवाल और उनके परिवार के लोगों ने संयुक्त अरब अमीरात, नाइजीरिया, और अमेरिका जैसी देशों में विदेशी शेल कंपनियों के नाम से बड़ी रकम का निवेश किया था। लेकिन जांच में यह खुलासा हुआ कि ये कंपनियां वास्तव में भारत से संचालित हो रही थीं। ईडी का यह अभियाना आज सुबह से शुरू हुआ और इसमें नरेश केजरीवाल के साथ उनके परिजन और सहयोगी भी जांच के दायरे में हैं।

मानव बम की धमकी मिलने पर मुंबई में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद से कुवैत जा रहा था विमान

नई दिल्ली : हैदराबाद से कुवैत जा रही इंडिगो की एक उड़ान को मुंबई में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। जानकारी के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ समय बाद एक ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें विमान में मानव बम होने की धमकी दी गई थी। संदेश मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कदम उठाते हुए फ्लाइट को मुंबई की ओर मोड़ दिया।

बताया गया कि मंगलवार सुबह इंडिगो की यह उड़ान हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कुवैत के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के बाद मिले ईमेल में बम की मौजूदगी का दावा किया गया, जिसके आधार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को तुरंत डायवर्ट कर आपात लैंडिंग कराई। विमान सुरक्षित उतर चुका है और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, लैंडिंग

के बाद विमान को अलग पार्किंग क्षेत्र (आइसोलेशन बे) में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते,सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां विमान की पूरी तरह से जांच कर रही हैं। शुरूआती जांच में अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक का पता नहीं चला है।

आपसी विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

रांची: राजधानी रांची से एक बड़ी वारदात की खबर सामने आई है, जहां एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं इस घटना ने लोगों में दहशत का माहौल कायम कर दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, वारदात सोमवार देर रात धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित सीठियो बस्ती की है। मृतक शख्स की पहचान 25 वर्षीय अरसद अंसारी के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि अरसद अंसारी का उसके पड़ोस में रहते तौसीफ अंसारी के साथ किसी बात पर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामले ने इतना विकाराल रुप धारण कर लिया कि तौसीफ अंसारी ने अरसद अंसारी पर जानलेवा हमला कर दिया। तौसीफ अंसारी ने अरसद अंसारी को गोली मार मौत के घाट उतार दिया। वहीं वारदात को अंजाम दे आरोपी फरार हो गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है।

संसद का शीतकालीन सत्र : वेल में कूदे विपक्षी सांसद, लगाए वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे, संचार साथी पर बैकफुट पर सरकार

नई दिल्ली: संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी कांग्रेस सहित विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ सांसद वेल तक पहुंच गए। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों के नारेबाजी के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी है। उधर, उच्च सदन में भी एसआईआर को लेकर नारेबाजी हुई और संचार साथी ऐप का भी मुद्दा उठा। हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही भी दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले विपक्षी सांसदों ने सुबह 10.30 बजे संसद परिसर में मकर द्वार के सामने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। उन्होंने रक्फ को तुरंत रोकने और उस पर चर्चा की मांग की। वहीं, सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में एसआईआर और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया।

संचार साथी ऐप पर बैकफुट पर आई सरकारः संचार साथी ऐप मामले में विपक्ष ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। इसके बाद सरकार बैकफुट पर आ गई है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ऐप अनिवार्य नहीं है। ऐप को डिलीट करना चाहे तो कर सकते हैं।

कांग्रेस ने संचार साथी ऐप को बताया सरकार का जासूस, प्रियंका बोलीं- निजता छीनने की कोशिश

नई दिल्लीः कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने संचार साथी ऐप को मोबाइल पर डाउनलोड करने को हास्यास्पद बताते हुए आरोप लगाया कि यह जासूसी ऐप है जिसके जरिए सरकार हर मोबाइल पर नजर रखना चाहती है। प्रियंका वाड्रा ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों के मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने संबंधी सवाल पर कहा कि संचार साथी एक जासूसी ऐप है और यह हास्यास्पद है। नागरिकों को निजता का अधिकार है और सभी को निजता का अधिकार होना चाहिए ताकि वे अपने परिवार और दोस्तों को निजी संदेश भेज सकें लेकिन सरकार इस निजता को छीनने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ.टेलीफोन पर जासूसी नहीं है। वे इस देश को हर तरह से तानाशाही में बदल रहे हैं और संसद इसलिए नहीं चल रही है। सरकार किसी भी विषय पर चर्चा करने से इनकार कर रही है और किसी भी विषय पर चर्चा नहीं होने दे रही है। यह लोकतंत्र की परंपरा नहीं है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में चर्चा होती है और हर किसी के अलग-अलग विचार होते हैं और आप उनकी बात सुनते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा मोबाइल पर तरह-तरह की धोखाधड़ी हो रही है और इस धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली होनी चाहिए। साइबर सुरक्षा पर संसद में विस्तार से चर्चा की जरूर है। साइबर सुरक्षा जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह आपको हर नागरिक के फोन में घुसने का बहाना दे देती है। मुझे नहीं लगता कि कोई भी नागरिक इससे खुश होगा।

भीषण टक्कर के बाद बस-ट्रक में लगी आग

चीख-पुकार से गूंजा इलाका, तीन की मौत, 25 घायल

बलरामपुर : बलरामपुर कोतवाली देहात क्षेत्र के फुलवरिया बाईपास पर मंगलवार भोर लगभग साढ़े चार बजे बड़ा हादसा हो गया। यात्रियों को सोनौली से दिल्ली लेकर आ रही निजी बस की भिड़ंत एक मालवाहक ट्रक से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही क्षण में बस और ट्रक दोनों में आग भड़क उठी। हादसे में तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 25 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय पुलिस, यातायात पुलिस और दमकल टीम ने तुरंत पहुंचकर आग बुझाने तथा राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और राहत कार्यों की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मिलकर उनकी स्थिति जानी तथा बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, सोनौली से शहर होते हुए निजी बस फुलवरिया चौराहे पर दिल्ली जाने के लिए गोंडा की ओर बढ़ी थी। बस अभी पूरी तरह चौराहा से गुजर भी नहीं पाई थी कि तभी दूसरी तरफ फुलवरिया ओवरब्रिज की ओर से आ रहा ट्रक सीधे बस के बीचोबीच टकरा गया। इससे बस भी सड़क से खिसककर किनारे लगे ट्रांसफार्मर से भी टकरा गई। ट्रांसफार्मर में बिजली के तारों के छूने से बस में आग लगी और फिर ट्रक में भी आग लग गई। जिससे बस में सवार काफी यात्री झुलस गए हैं। आग बुझाने के लिए ट्रक को सीधा किया गया। वह बस से टकराने के बाद पलट गया था। ट्रक के नीचे एक व्यक्ति का शव मिला, जो बुरी तरह झुलसा हुआ था। पहचान में नहीं आ रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संभवतः ट्रक में बैठे व्यक्ति का शव है। ट्रक पलटने से निकल नहीं सका और दब गया है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन और राहत व बचाव में जुटी है।

मातम में बदलीं खुशियां :बेटी की विदाई कर लौट रहे परिवार की गाड़ी का हुआ एक्सीडेंट,माता-पिता और चाची की मौत

लुधियाना : पंजाब के लुधियाना में बेटी की विदाई कर लौट रहे परिवार की इनोवा गाड़ी ट्रक से टकरा गई। जिससे दुल्हन के माता-पिता और चाची की मौत हो गई। 2 रिश्तेदारों की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवार फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद का रहने वाला है। दूल्हा जालंधर का रहने वाला है। इस वजह से उन्होंने लुधियाना के मैरिज पैलेस में कार्यक्रम रखा था। वहीं से वे घर लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सरहिंद के रहने वाले कारोबारी अशोक नंदा ने बेटी की शादी जालंधर में तय की थी। शादी के लिए लुधियाना के स्टेलोन मनोर पैलेस बुक किया गया था। रविवार-सोमवार की रात को शादी समारोह हुआ। उसके बाद सोमवार सुबह दुल्हन की विदाई हुई। इसके बाद दुल्हन का परिवार भी खुशी-खुशी घर लौटने की तैयारी करने लगा। कुछ देर बाद दुल्हन के पिता-पिता, चाची और अन्य सदस्य इनेवा क्रिस्टा कार में बैठकर सरहिंद में घर की तरफ निकल पड़े। जब उनकी गाड़ी गांव खाकट में एक फैब्रिक कंपनी के पास पहुंची तो अचानक आगे चल रहे ट्रक ने ब्रेक लगा दिए। ट्रक के ब्रेक लगाते ही इनोवा उसके पीछे टकरा गई। स्पीड तेज होने की वजह से वह कई मीटर तक घिसटती चली गई। इससे कार में सवार पांचों लोग घायल हो गए। दुल्हन के पिता अशोक नंदा, मां किरण नंदा और चाची रेनू बाला की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई।

वहीं इस घटना में जख्मी मोहन नंदा व शमीर्ली नंदा की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें लुधियाना के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीनों मृतकों का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है। दुल्हन की डोली अभी जालंधर-लुधियाना के बॉर्डर पर स्थित लाडोवाल टोल प्लाजा के पास पहुंची थी और हादसे का पता चलते ही तुरंत डोली वाली कार भी वापस सरहिंद की तरफ मुड़ गई।

एक्शन मोड में स्वास्थ्य मंत्री :ओपीडी में बैठकर खुद कर रहे मरीजों का इलाज,कहा-

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं जनता तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य

रांचीः राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी इन दिनों एक्शन मोड में है और राज्य के अलग-अलग अस्पतालों का निरीक्षण कर रहे हैं और ओपीडी में बैठकर खुद ही मरीजों का इलाज भी कर रहे हैं।

कल जमशेदपुर में ओपीडी का लेंगे जायजाः डॉक्टर अंसारी ने आज कहा कि कल मैं जमशेदपुर में रहूंगा। ओपीडी की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करूंगा और यह सुनिश्चित करूँगा कि किसी भी मरीज को इलाज में जरा भी परेशानी न हो। मैं स्वयं स्थल पर मौजूद रहकर डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को पूरा सहयोग दूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ जनता तक पहुँचाना-इसी मिशन के लिए हम पूरी तरह संकल्पित हैं।'

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि नई उम्मीद, नया विश्वास - जनता से मिले संकल्प को जिला स्वास्थ्य व्यवस्था के जमीनी स्तर तक ले जाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की दूरदृष्टि और निष्ठा का परिणाम है कि झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था आज नई दिशा में आगे बढ़ रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

डॉ रानी ठाकुर का जन्मदिन मनाया गया

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ रानी ठाकुर का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू सहित मोर्चा के पदाधिकारियों ने डॉ रानी ठाकुर को अंग वस्त्र ओढ़ाकर तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।
मौके पर डॉ रानी ठाकुर ने भी सबों की ओर से इस स्नेह और प्यार पाने के लिए अपनी ओर से सबों को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आप सबका स्नेह और प्यार इसी तरह निरंतर मिलता रहे यही ईश्वर से कामना करती हूं। अपने जन्मदिन के अवसर पर डा रानी ठाकुर ने बाराद्वारी ओल्ड एज होम मे पहुंच सभी वृद्धा के बीच फल,बिस्कुट और चाकलेट उन्हें बांटा और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। रानी ठाकुर ने बताया कि उन्होंने तय किया कि वृद्धा आश्रम मे रहने वाले माता- पिता तुल्य असहाय वृद्धों को ही अपना अभिभावक के रूप मे मानकर अपना जन्मदिन वह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उनके साथ मना कर उन्हें खुशी मिली है।
बधाई देने वालों में भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष अजय दुबे, सुरेंद्र नाथ, प्रवीण कुमार सिंह, बृंद कुमार सहित कई पार्टी पदाधिकागण, सदस्यगण एवं मित्रगण शामिल रहे।

सीए विद्यार्थियों ने एन बी आइसक्रीम फैक्ट्री का शैक्षणिक किया भ्रमण

रांची : दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, रांची शाखा की सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन द्वारा आज रांची के सीए विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्री विजिट कार्यक्रम के अंतर्गत रॉलिक आइसक्रीम फैक्ट्री, टाटीसिलवे इंडस्ट्रियल एरिया, रांची का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 40 सीए विद्यार्थियों ने भाग लिया और आइसक्रीम निर्माण, पैकेजिंग, लागत नियंत्रण, वित्तीय प्रबंधन तथा इससे संबंधित एकाउंटिंग प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। कार्यक्रम में रांची शाखा के सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार तथा रांची शाखा के सचिव सीए भुवनेश कुमार ठाकुर, कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल भी उपस्थित रहे।
फैक्ट्री मैनेजमेंट ने विद्यार्थियों को उत्पादन प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आइसक्रीम निर्माण में गुणवत्ता नियंत्रण के लिए किस प्रकार के मानकों का पालन किया जाता है। विद्यार्थियों को रॉ मैटेरियल की उपलब्धता, स्टोरेज और सप्लाई चेन मैनेजमेंट का व्यावहारिक प्रदर्शन दिखाया गया। पैकेजिंग यूनिट में आधुनिक मशीनरी की कार्यप्रणाली और स्वचालित सिस्टम के माध्यम से होने वाले कार्यों पर विशेष जानकारी दी गई। इसके अलावा, फैक्ट्री के एकाउंटिंग सिस्टम, लागत लेखांकन, आंतरिक नियंत्रण एवं दैनिक वित्तीय लेनझ्रदेन के दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया गया। मैनेजमेंट टीम ने उद्योग जगत में वित्तीय अनुशासन और सटीक लेखांकन की महत्वता पर भी प्रकाश डाला।
इस अवसर पर सीए स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए दिलीप कुमार ने कहा कि इंडस्ट्री विजिट विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि ऐसी गतिविधियाँ विद्यार्थियों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं और प्रक्रियाओं से परिचित कराती हैं। सीए पाठ्यक्रम में सिद्धांत के साथ-साथ वास्तविक कारोबारी अनुभव अत्यंत उपयोगी होता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और भविष्य के पेशेवर दायित्वों के लिए उन्हें बेहतर तैयार करते हैं। अंत में उन्होंने फैक्ट्री प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे और कार्यक्रमों की निरंतरता की उम्मीद जताई।

बढ़ती ठंड को देखते हुए डीसी ने वृद्धाश्रम में लगवाया हीटर व गीजर

धनबाद : जिला प्रशासन ने बढ़ती ठंड को देखते हुए सबलपुर वृद्धाश्रम में गीजर और हीटर लगवाया है। यहां 30 बुजुर्ग रह रहे हैं। इनमें 24 महिलाएं और छह पुरूष शामिल हैं। तीन रूम में महिलाएं व एक रूम में पुरूष रहते हैं। सेंटर के संचालक नौशाद गद्दी ने बताया कि अक्तूबर माह में ओल्ड एज होम के लिए कुछ जरूरी सामानों की लिस्ट जिला समाज कल्याण विभाग को दी गयी थी। उपायुक्त आदित्य रंजन व जिला समाज कल्याण विभाग की पदाधिकारी स्नेह कश्यप ओल्ड एज होम का निरीक्षण करने आये थे। उन्होंने बुजुर्गों से मिलकर उनकी जरूरतों को जाना। 29 नवंबर को उनकी जरूरत का सामान सेंटर पहुंच गया। ठंड में नयी व्यवस्था को देखकर बुजुर्ग बहुत खुश हैं। बुजुर्गों के कमरे में टीवी, रूम हीटर लगाने के साथ ही नया बेड, ग्द्दा, तकिया, चादर, कंबल दिया गया है। इसके अलावा वॉशिंग मशीन, फ्रिज और गीजर लगाये गये हैं। हर बुजुर्ग को टार्च व छाता दिया गया है। साथ ही योग सेट, आरओ-वॉटर कूलर, कूलर, सिलिंग फैन, व्हील चेयर और जरूरतमंदों को वॉकर दिया गया है।
जल्द दिया जायेगा एंबुलेंस : जिला समाज कल्याण पदाधिकारीजिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेह कश्यप ने कहा कि सबलपुर ओल्ड एज होम का उपायुक्त के साथ निरीक्षण किया था। वहां की जरूरतों को देखा। बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड से ठंड को देखते हुए जरूरत का सामान दिया गया है। वहां एंबुलेंस की जरूरत है। वह भी प्रोसेस में है। जल्द ही उपलब्ध कराया जायेगा।

सिल्ली- मुरी क्षेत्र में जाली नोटों का गिरोह सक्रिय, दुकानदारों को हो रहा नुकसान

संवाददाता

रांची : राजधानी लोकसभा क्षेत्र के सिल्ली- मुरी इलाके में इन दिनों जाली नोटों का गिरोह सक्रिय हो गया है, जिससे स्थानीय दुकानदारों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि यह गिरोह भीड़भाड़ वाले दुकानों को निशाना बनाता है। गिरोह के सदस्य दुकान में सामान्य ग्राहक बनकर आते हैं, कम कीमत का सामान खरीदते हैं और जल्दी-जल्दी पैसे लौटाने का दबाव बनाकर भुगतान कर सामान लेकर तुरंत वहां से निकल जाते हैं। दुकान पर भीड़ होने की वजह से व्यापारी तुरंत नोटों की जांच नहीं कर पाते, और बाद में ही उन्हें पता चलता है कि नोट असली नहीं है।

मुरी के रहने वाले दुकानदार प्रमोद कुशवाहा ने बताया कि उनके साथ भी ऐसा ही मामला हुआ। एक ग्राहक ने 200 रुपये का सामान खरीदा और जल्दबाजी दिखाते हुए पैसे देकर चला गया। जब प्रमोद ने थोड़ी देर बाद नोट चेक किया, तो वह जाली निकला। उनका कहना है कि वे किसी तरह अपने परिवार का खर्च चला रहे हैं और ऐसे धोखे से उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा है।
इसी तरह अन्य दुकानदारों ने भी बताया कि क्षेत्र में 200 और 500 रुपये के जाली नोट बड़ी संख्या में फैलाए जा रहे हैं। कई लोगों ने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है, ताकि इस गिरोह पर शिकंजा कसा जा सके। दुकानदारों ने आम जनता और व्यापारियों से अपील की है कि लेनदेन के समय नोटों की अच्छी तरह जांच करें और संदिग्ध स्थिति दिखे तो तुरंत सतर्क हो जाएं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस गिरोह पर कार्रवाई नहीं हुई, तो इलाके में आर्थिक नुकसान और बढ़ सकता है। पुलिस से अपेक्षा है कि जल्द से जल्द इस मामले में सख्त कदम उठाए जाएं।

बोर्ड परीक्षा से पहले मासिक जांच परीक्षा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाना लक्ष्य

संवाददाता

मुरहू : आगामी बोर्ड परीक्षा (3 फरवरी 2026) की तैयारी को ध्यान में रखते हुए मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में एक विशेष मासिक जांच परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन करना, परीक्षा के प्रति डर को दूर करना और उनकी लेखन क्षमता को निखारना था। संस्थान के निदेशक सकलदीप भगत ने बताया कि यह परीक्षा जैक द्वारा अपलोड किए गए मॉडल प्रश्नों के प्रारूप पर आधारित थी। उन्होंने कहा, जांच परीक्षाओं के आयोजन से विद्यार्थियों में परीक्षा का डर समाप्त होता है, उनके बौद्धिक स्तर और लेखन क्षमता का विकास होता है। यह परीक्षा उनकी योग्यता का आकलन भी करती है। इससे बच्चे नई ऊर्जा के साथ स्वयं को तैयार करते हैं और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

भगत ने यह भी सूचित किया कि संस्थान में सभी बोर्ड के विद्यार्थियों के लिए साप्ताहिक जांच परीक्षाओं का सिलसिला बोर्ड परीक्षा तक निरंतर चलता रहेगा। इस मासिक परीक्षा के बाद विद्यार्थियों को मैट्रिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए कई महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए गए।
एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में, संस्थान ने यह घोषणा भी की कि बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने जिले के सभी विद्यार्थियों से अपील की कि वे निःशुल्क आगामी जांच परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। इससे उन्हें अपनी तैयारी जांचने और मुख्य परीक्षा के लिए अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।
इस परीक्षा के सफल आयोजन में शिक्षिका सावित्री के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया गया। इस पहल से विद्यार्थियों को लक्ष्योन्मुख तैयारी करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

अनियंत्रित होकर दुकानों में घुसा तेज रफ्तार हाइवा नुकसान, बाल बाल बचे लोग

संवाददाता

खूंटी : खूंटी- तोरपा राज्य राजमार्ग तीन पर स्थित अंगराबाड़ी इलाके में एक अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे दो दुकानों में घुसकर भारी नुकसान पहुंचाया। घटना तब हुई जब खूंटी से तोरपा की ओर जा रहा हाइवा वाहन तेज गति के करना चालक के नियंत्रण से अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गया और सड़क किनारे बने दो दुकान दिगंबर कुंडू की पूजा सामग्री की दुकान एवं कुलदीप कुंडू के हार्डवेयर दुकान में जा घुसा, जिससे दोनों ही दुकान क्षतिग्रस्त हो गए और दुकान के अंदर का सारा सामान बर्बाद हो गया। गनीमत यह रही कि इस घटना में दुकानदारों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई, जिसमें किसी को चोट नहीं आई पर आर्थिक नुकसान जरूर उठानी पड़ी।
इस घटना में दुकान मालिकों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं इस हादसे में हाइवा वाहन को मामूली क्षति पहुंची है। साथ ही इस पूरी घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस घटना की जानकारी लोगो द्वारा स्थानीय थाना में दी गई जिसके बाद स्थानीय थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है, की घटना किस करना हुई है। क्या ये घटना किसी तकनीकी

खराबी के कारण ही है या गाड़ी के आत्याधिक तेज गति के कारण या ड्राइवर नसे में था इस पर भी जांच हो रही है। वहीं जिस दुकानदारों को नुकसान उठाना पर है उन्होंने अपने नुकसान की भरपाई की मांग की है ताकि वो दुकान को दुबारा मर्ममति कर अपनी जीवन यापन कर सके।
इस घटना ने एक बार फिर राज्य राजमार्गों पर वाहनों की अनियंत्रित गति और सुरक्षा उपायों की कमी को लेकर सवाल खड़े किए हैं।

आरओसी रिटर्न पर हुआ एक दिवसीय सेमिनार

संवाददाता

रांची : आईसीएआई की सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल, कानपुर द्वारा आज आईसीएआई भवन, रांची में जीएसटी एनुअल रिटर्न एवं आरओसी रिटर्न विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रांची सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने भाग लिया और नवीनतम अनुपालन प्रावधानों पर विशेषज्ञों से उपयोगी जानकारी प्राप्त की।
सेमिनार के उद्घाटन में रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने सभी उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बदलते कर एवं कॉर्पोरेट कानूनों में समय-समय पर अपडेट रहना पेशे के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सेमिनार के उद्देश्य और इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए

बताया कि ऐसे कार्यक्रम सदस्यों की तकनीकी दक्षता को और अधिक मजबूत बनाते हैं। उन्होंने सीआईआरसीसी का रांची में इस सेमिनार के आयोजन हेतु आभार प्रकट किया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को पूरे दिन सक्रिय रूप से सीखने हेतु प्रोत्साहित किया।
सेमिनार के प्रथम तकनीकी सत्र में विशेषज्ञ वक्ता सीए राज कुमार ने जीएसटी एनुअल रिटर्न से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। वार्षिक रिटर्न में डेटा की सटीकता, इनपुट टैक्स क्रेडिट के मेल-मिलान, रीकन्सिलिएशन स्टेटमेंट की महत्वपूर्णताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सामान्य त्रुटियों, समयसीमा, विभिन्न नोटिफिकेशन्स तथा विभागीय अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। इसके अलावा उन्होंने प्रैक्टिकल केस स्टडीज के माध्यम से वास्तविक परिस्थितियों में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान को स्पष्ट किया। प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं व्यवहारिक बताया।
दूसरे तकनीकी सत्र में विशेषज्ञ सीएस अमन पोद्दार ने कंपनी अधिनियम के अंतर्गत किए जाने वाले फ्हउ अनुपालनों पर विस्तृत व्याख्या दी। उन्होंने वार्षिक फाइलिंग, वैधानिक रजिस्टरों, डाक्यूमेंटेशन, ऑडिट रिपोर्ट्स और निदेशकों से संबंधित आवश्यक रिपोर्टिंग प्रावधानों को विस्तार से समझाया।
इन तकनीकी सत्रों का सफल संचालन रांची शाखा के कोषाध्यक्ष सीए विवेक खोवाल ने किया । इस सेमिनार के सफल आयोजन में रांची शाखा के उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन, सीपीई समिति के अध्यक्ष सीए हरेन्दर भारती और कार्यकारिणी सदस्य सीए दिलीप कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पीसीसी पथ, डीप बोरिंग व जलमीनार का शिलान्यास

संवाददाता

खलारी : 15वें वित्त आयोग के तहत जिप सदस्य सरस्वती देवी द्वारा बुकबुका पंचायत के चाणक धौड़ा में पीसीसी पथ तथा केडी कॉलोनी में एक डीप बोरिंग एवं जलमीनार का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर उन्होंने नारियल फोड़ कर एवं शिलापट्ट हटा कर दोनों कार्यों का शिलान्यास किया। मौके पर सरस्वती देवी ने कहा कि चाणक धौड़ा में पीसीसी सड़क निर्माण की मांग ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से की जा रही थी, जो आज पूरी हो रही है। उन्होंने बताया कि जलमीनार के बन जाने से केडी कॉलोनी के लोगों को स्वच्छ पेयजल की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा वरिष्ठ नेता अरविंद सिंह, मंडल संयोजक रामसूरत यादव, श्यामसुंदर सिंह, रतन लाल, सरोजनी देवी, प्रदीप प्रमाणिक, शंकर नाथ राम, सुनील रावत, रिंकू कुमार, कांता तिर्की, प्रवीण, रवि कुमार, पवन सिंह, बलदेव कुमार, अनिल तुरी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

माध्यमिक व इंटर परीक्षा केंद्र चयन को लेकर हुई बैठक

विभागीय दिशा-निर्दशो के अनुरूप परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पर चर्चा

संवाददाता

खूंटी : वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2025-26 के लिए परीक्षा केंद्रों के चयन हेतु आज जिला स्तरीय चयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त आर। रॉनिटा ने की।
बैठक का मुख्य एजेंडा झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित होने वाली वार्षिक माध्यमिक (हाईस्कूल) एवं इंटरमीडिएट (कला, विज्ञान, वाणिज्य) परीक्षाओं के लिए जिले में उपयुक्त परीक्षा केंद्रों का निर्धारण करना था। उपायुक्त ने समिति के सदस्यों के साथ विभागीय दिशा-निदेर्शों के अनुरूप परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया पर चर्चा की। इस संबंध में, पिछली बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से उनके

विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाने की उपयुक्तता का सत्यापन करने एवं संबंधित प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों के माध्यम से रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया था। आज की बैठक में विभिन्न प्रखंडों से प्राप्त इन रिपोर्टों की गहन समीक्षा की गई। समिति ने इन रिपोर्टों के आधार पर विस्तार से विचार-विमर्श किया और अंततः यह निर्णय लिया गया कि समीक्षित रिपोर्ट को झारखंड एकेडमिक काउंसिल के साथ साझा किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर ही अंतिम रूप से परीक्षा केंद्रों का निर्धारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में माननीय सांसद प्रतिनिधि (खूँटी), माननीय विधायक प्रतिनिधि (खूँटी, तोरपा एवं तमाड़), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (खूँटी) पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में, जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।
इस प्रक्रिया से आगामी बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन व्यवस्थित, पारदर्शी और नियमानुकूल तरीके से करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रांची रेलवे स्टेशन का हो रहा रेनोवेशन
10 दिसंबर से 7 जनवरी तक रद्द रहेंगी कई ट्रेनें

संवाददाता

रांचीः झारखंड के रेल यात्रियों के लिए अहम खबर है। रांची रेलवे स्टेशन का रेनोवेशन कार्य किया जा रहा है। जिस कारण 20 ट्रेनों को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है, जबकि 10 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है।

10 दिसंबर से 07 जनवरी तक रद्द रहेंगी ये ट्रेनें

रेलगाड़ी संख्या 58665/58666 हटिया-सांकी पैसेंजर, ट्रेन नंबर 18602/18601 हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 58663/58664 हटिया-सांकी पैसेंजर, रेलगाड़ी संख्या 58034/58033 रांची-बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर 10 दिसंबर से 07 जनवरी तक रद्द रहेंगी।

23 दिसंबर से 7 जनवरी तक रद्द रहने वाली ट्रेनें

ट्रेन नंबर 18085/18086 खड़गपुर-रांची एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 13303/13304 धनबाद-रांची एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 13319/13320 दुमका-रांची-दुमका एक्सप्रेस, रेलगाड़ी संख्या 68035/68036 टाटानगर-हटिया मेमू 23 दिसंबर से 7 जनवरी तक के लिए रद्द किया गया। वहीं रेलगाड़ी संख्या 18631 रांची-चोपन एक्सप्रेस 24, 26, 28, 31 दिसंबर, 02, 04, 07 जनवरी तक रद्द रहेंगी। जबकि ट्रेन नंबर 18632 चोपन-रांची एक्सप्रेस 25, 27, 29 दिसंबर, 01, 03, 05, 08 जनवरी कैंसिल की गई। ट्रेन नंबर 13403/13404 रांची-भागलपुर-रांची एक्सप्रेस 06 और 07 जनवरी को रद्द कर दिया गया।

ये ट्रेनें शॉर्ट टर्मिनेट

10 दिसंबर से 07 जनवरी तक गाड़ी संख्या 13503/13504 वर्द्धमान-हटिया-वर्द्धमान एक्सप्रेस बोकारो स्टील सिटी तक शॉर्ट टर्मिनेट होगी। गाड़ी संख्या 63598/63597 आसनसोल-रांची मेमू, ट्रेन नंबर 18035/18036 खड़गपुर-हटिया एक्सप्रेस मुरी स्टेशन तक शॉर्ट-टर्मिनेट होगी। ट्रेन नंबर 13513/13514 आसनसोल-हटिया-आसनसोल एक्सप्रेस 24, 25, 27, 28, 29, 31 दिसंबर और 01, 03, 04, 05, 07 जनवरी तक मेसरा स्टेशन तक शॉर्ट-टर्मिनेट रहेगी।

ये ट्रेनें पिस्का स्टेशन से चलेगी

ट्रेन नंबर 18635 रांची-सासाराम एक्सप्रेस 23-27 दिसंबर, 29 दिसंबर-03 जनवरी, 05-07 जनवरी, वहीं गाड़ी संख्या 18636 सासाराम- रांची एक्सप्रेस 24-28 दिसंबर, 30 दिसंबर-04 जनवरी, 06-08 जनवरी तक पिस्का स्टेशन से चलेगी।

सुप्रीम कोर्ट के इनकार से समुदाय में बढ़ी चिंताः गुलाम शाहिद

रांचीः सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण की अंतिम तिथि में वृद्धि करने से साफ इनकार कर दिया है। कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि यदि किसी कारणवश पंजीकरण समय पर नहीं हो पा रहा है, तो समय सीमा बढ़ाने की मांग वक्फ ट्रिब्यूनल के समक्ष की जा सकती है। गौरतलब है कि उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के डेटा अपलोड करने की अंतिम तिथि 6 दिसंबर 2025 निर्धारित है, और अब केवल कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। समुदाय के बीच इस फैसले ने निराशा की लहर पैदा कर दी है। आम लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को बेहद अफसोसजनक बताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे कस्बों और दूर-दराज इलाकों में रहने वाले अधिकांश मुतवल्लि अभी तक इस अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया से पूर्णतः अनजान हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि अंतिम तिथि पार हो जाती है तो हजारों मस्जिदें, कब्रिस्तान, मदरसों और दरगाहों का वक्फ दर्जा समाप्त होने का खतरा पैदा हो जाएगा, जिससे समुदाय को गंभीर क्षति होगी। लोगों ने कहा है कि 5 दिसंबर तक केवल चार दिन शेष हैं, जबकि देशभर की अधिकांश वक्फ संपत्तियाँ अभी तक पोर्टल पर दर्ज नहीं हो सकी हैं। लाखों मुतवल्लि तकनीकी समस्याओं, सर्वर क्रैश, पुराने दस्तावेज अपलोड न हो पाने और ऑनलाइन प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण पंजीकरण पूरा करने में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि देशभर में फैली हजारों वक्फ संपत्तियों का रिकॉर्ड इतनी कम अवधि में अपलोड करना व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में समय सीमा बढ़ाना आवश्यक था, ताकि किसी भी वक्फ संपत्ति का दर्जा केवल तकनीकी समस्याओं के कारण न छिने। एदारों के ओहदेदारों और मुतवल्लियों ने सरकार और संबंधित विभागों से अपील की है कि हालात को देखते हुए तात्कालिक हस्तक्षेप किया जाए, ताकि वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और मुतवल्लियों को पर्याप्त समय व सुविधा मिल सके।

पश्चिमी विक्षोभ और दित्वा चक्रवात का झारखंड में दिखेगा असर, कल से सतायेगी शीतलहर

संवाददाता

रांचीः झारखंड में जल्द शीतलहर दस्तक दे सकती है। 3 दिसंबर से कोल्ड वेव का एक और दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी है। मौसम विभाग का कहना है कि झारखंड के न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री सेंटीग्रेड की गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया है कि हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ, पूर्वी हवा और चक्रवाती प्रणाली दित्वा के प्रभाव के कारण बादल छाये रहने से झारखंड में पिछले कुछ दिनों से ठंड से आंशिक राहत मिल रही है।

झारखंड के अधिकतर जिलों का तापमान 10 डिग्री से अधिक

झारखंड के अधिकांश हिस्सों में पिछले 24 घंटे के दौरान न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 10.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में सबसे अधिक न्यूनतम तापमान 15.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तापमान में 4-5 डिग्री की गिरावट आने की संभावनाः

रांची में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक है। अगले 36 घंटों में रांची के न्यूनतम तापमान में 4-5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है, जिसकी वजह से शीतलहर जैसी स्थिति देखी जा सकती है।

उपायुक्त के जनता दरबार में उमड़ी भीड़, कई शिकायतों का मौके पर निपटारा

संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के जनता दरबार में सैकड़ों लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों से आए लोगों ने भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रमाण-पत्र, राजस्व से जुड़े मामलों और योजनाओं के लाभ आदि से संबंधित शिकायतें रखीं।

उपायुक्त ने हर शिकायत को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी शिकायत को बिना वजह लंबित रखना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी विभाग तय समय सीमा के भीतर रिपोर्ट दें और जरूरत पड़ने पर स्थल निरीक्षण भी करें।

उन्होंने यह भी कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य लोगों को राहत देना और एक ही जगह पर उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना है। शिकायतों के समाधान में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है।

जनता दरबार में जितेंद्र नाथ नामक व्यक्ति ने बताया कि वे जन्म से झारखंड के निवासी हैं और आदिवासी समुदाय से हैं, लेकिन जमीन न होने के कारण अंचल अधिकारी उनके बेटे का आवासीय प्रमाण-पत्र जारी नहीं कर रहे। उन्होंने जेईई परीक्षा और आगे की पढ़ाई के लिए प्रमाण-पत्र की जरूरत बताई।

इस पर उपायुक्त ने मौके पर ही संबंधित अंचल अधिकारी को फोन कर कड़ी फटकार लगाई और तुरंत प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही, कार्रवाई की सूचना भी उपलब्ध कराने को कहा गया।

मौके पर कई शिकायतें सुलझीं

जनता दरबार में कई मामलों का उसी समय निपटारा कर दिया गया, जिससे लोगों में संतोष और राहत दिखाई दी। उपस्थित लोगों ने कहा कि इस तरह का सीधा संवाद जनता का भरोसा बढ़ाता है और प्रशासन को लोगों के करीब लाता है।

घरेलू बिजली दर में 3.45 रुपए प्रति यूनिट बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव

संवाददाता

रांची : राज्यभर के 54 लाख बिजली उपभोक्ताओं को नए वित्तीय वर्ष में झटका लग सकता है। इसकी वजह यह है कि सोमवार की देर शाम झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम ने बिजली दर में वृद्धि का प्रस्ताव झारखंड राज्य नियामक आयोग को सौंप दिया है।

वितरण निगम ने यह प्रस्ताव वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सौंपा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि बिना एमडी के यह प्रस्ताव सौंपा गया है। पिछले दो महीने से वितरण निगम में एमडी का पद खाली है। ओवर ऑल बिजली दर में 60 फीसदी तक के वृद्धि का प्रस्ताव है।

वर्तमान में यह दर 6.85 रुपए प्रति यूनिट है। इसे बढ़ाकर 10.30 रुपए प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव सौंपा गया है। वहीं व्यवसायिक बिजली दर में 4.30 रुपए प्रति यूनिट वृद्धि करने का प्रस्ताव है।

झारखंड पुलिस की स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की बेवसाइट मई के बाद अपडेट नहीं

रांची : झारखंड पुलिस की स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की वेबसाइट पर अपराध से जुड़े आंकड़े मई 2025 के बाद से अपडेट नहीं किए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ सीआईडी समय से हत्या, लूट, दुष्कर्म समेत अन्य घटनाओं का रिकॉर्ड अपडेट कर रही है।

उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस एससीआरबी की आधिकारिक वेबसाइट, जो राज्य में अपराध, दुर्घटनाओं और अन्य पुलिसिंग गतिविधियों का विस्तृत डेटा रखती है, उस पर पिछले छह महीने से अधिक समय से नए आंकड़े अपलोड नहीं किए गए हैं।

वेबसाइट पर उपलब्ध मासिक अपराध का डेटा मई 2025 तक का ही है। जून 2025 से लेकर अब तक यानी छह महीने से अधिक समय का राज्य में हुए गंभीर अपराधों, जैसे हत्या, बलात्कार, लूट, और साइबार क्राइम का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

मुर्गा ट्रॉफीः एक मासूम सपने से जन्मी कहानी का रांची में भव्य आगाज
भोजपुरी सुपरस्टार निरहुआ की नई फिल्म मुर्गा ट्रॉफी , झारखंड की धरती पर बनेगी संघर्ष और संवेदना की कहानी

९मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची का प्रतिष्ठित प्रेस क्लब कल उस वक्त तालियों से गूंज उठा, जब हिंदी फीचर फिल्म कंट्रोल एंड क्रिएट के बैनर तले बनी मुर्गा ट्रॉफी की टीम ने मीडिया के सामने फिल्म का आधिकारिक परिचय दिया। एक बच्चे के सपने, उसके संघर्ष और आज के सामाजिक ढांचे पर तीखी लेकिन भावनात्मक नजर डालती यह फिल्म अपने मीडिया लॉन्च के क्षण से ही उत्सुकता जगा चुकी है।

कार्यक्रम में फिल्म के मुख्य अभिनेता और पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ , निर्देशक एवं पंचायत फेम अभिनेता शशि वर्मा, निर्माता सुजीत कुमार, चंदन आनंद, मुकेश गिरी, नलिनी सिन्हा, मनीषा वर्मा अपनी पूरी टीम के साथ मौजूद रहे, जिससे माहौल और भी ऊर्जावान बन गया।मुख्य अभिनेता भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार एवंपूर्व सांसद निरहुआ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि फिल्म समाज की धड़कनों को पकड़ने वाला सबसे सशक्त माध्यम है। झारखंड हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है, यहाँ की मिट्टी से मुझे ऊर्जा मिलती है और

यहाँ की सरकार ने हमें पहले की तरह इस बार भी पूरा सहयोग दिया। मुर्गा ट्रॉफी एक बच्चे की दस्ता है–उसकी जिद, उसकी उड़ान और असफलता से सफलता तक की उसकी यात्रा। इस फिल्म में मेरी भूमिका बिल्कुल अलग है और दर्शकों को इससे एक नई प्रेरणा मिलेगी। अनुभवी निर्देशक शशि वर्मा जी के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

निर्देशक शशि वर्मा ने बताया कि यह फिल्म सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि उन अनगिनत बच्चों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है, जो सपनों के लिए हठ भी रखते हैं और संघर्ष भी। उन्होंने कहा कि झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता और संस्कृति ने फिल्म को एक अनोखा स्वरूप दिया है।

निर्माता मनीषा वर्मा ने कहा मुर्गा ट्रॉफी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बच्चे के अडिग विश्वास की कहानी है। एक निमार्ता के तौर पर, मैं बहुत उत्साहित हूँ कि हम झारखंड की मिट्टी से निकली इस प्रेरणादायक यात्रा को बड़े पर्दे पर ला रहे हैं, जिसका संदेश हर दर्शक के दिल को छू लेगा।

उन्होंने फिल्म के संवेदनात्मक टोन और उसकी विजुअल भाषा को लेकर भी कई महत्वपूर्ण बातें मीडिया से साझा कीं।

निर्माता नलिनी सिन्हा ने कहा कि मुर्गा ट्रॉफी ऐसी फिल्म है जिसे देखने के बाद दर्शक सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि उसका संदेश अपने साथ लेकर जाएंगे। उन्होंने टीम की प्रतिबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता पर जोर दिया।

निर्माता चंदन आनंद ने फिल्म की भावनात्मक परतों, कलाकारों की सटीक परफॉर्मेंस और झारखंड की असली लोकेशन्स से मिले सिनेमैटिक वजूद को खास बताया।

फिल्म के निर्माता सुजीत उपाध्याय और विजय लक्ष्मी ने बताया कि झारखंड कि पृष्ठभूमि पर उत्साह वरदनी वाली फिल्म बनती रहनी चाहिए ऐसी फि ल्म झारखंड को विश्व स्तर पर लाती हैं

प्रोड्यूसर मुकेश गिरी ने भी कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक अनुभव है, जिसे दर्शक लंबे समय तक याद रखेंगे।

फिल्म में मुख्य कलाकार में दिनेश लाल यादव के अलावा परफॉर्मिंग आर्ट्स के बड़े नाम प्रद्युम्न नायक भी मौजूद हैं। इसके साथ ही बाल कलाकार शौर्य राज भी शामिल हैं।

मुर्गा ट्रॉफी फि ल्म कि खास बात ये भी हैं कि इस फि ल्म से जुड़े विभिन्न विभाग के नब्बे प्रतिशत लोग झारखंड के धरती से हैं चाहें वो अभिनय हों या निर्माण कार्य हों,बहुत सारे नए कलाकारों को पहली बार इस फि ल्म के माध्यम से पर्दे पर लाया जा रहा हैं, फिल्म के सह निर्माता अमित आट्‌र्स सुजीत उपाध्य और निर्माता मुकेश गिरी भी मूल रूप से झारखंड से ही हैं ,

फि ल्म में निर्देशक कि भूमिका में जाने -माने शशि वर्मा हैं वही निर्माता नलिनी सिन्हा , चंदन आनंद, मनीषा वर्मा,मुकेश गिरी, लेखक उमेश उपाध्याय, डीओपी सुनील विश्वकर्मा एडिटर अमित राज बहादुर सभी अपने-अपने क्षेत्रों में फिल्म की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और चार चांद लगा रहे हैं ।

टेक्नीशियन्स की बात की जाये तो फिल्म का म्यूजिक राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नंदलाला ने किया है। वहीं, बॉलीवुड के प्रसिद्ध प्रोडक्शन डिजाइनर प्रभात ठाकुर ने आर्ट एवं प्रोडक्शन डिजाइनिंग कि ज़िम्मेदारी ली हैं ।

ज्ञात हो कि पिछले 12 दिनों से फिल्म की शूटिंग रांची के बुंडू और आसपास की सुंदर लोकेशन्स पर जारी है। अगले कुछ दिनों में जमशेदपुर, टाटा और राँची के अन्य लोकेशन्स पर भी फिल्म की शूटिंग की जायेगी।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
योजना एवं अन्वेषण प्रमण्डल, पथ निर्माण विभाग, राँची–2
निरूपण भवन, तृतीय तल्ला, डोरंडा–834002
Email id :- eercdpiranchi-jhr@nic.in

पत्रांक– राँची, दिनांक–

(अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना)

निविदा आमंत्रण सूचना सं०–RCD/P&I.Div./RANCHI/22/2025-26(1st Call), दिनांक–29.11.2025

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन डोरंडा, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक–02.12.2025 को 10:30 बजे से दिनांक 09.12.2025 को 03:00बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय: 10.12.2025 के अपराह्न 03:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 10.12.2025 को अपराह्न 03:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री की स्थान : (i) मुख्य अभियंता, केन्द्रीय निरूपण संगठन, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची–834002 (ii) अधीक्षण अभियंता, अग्रिम योजना अंचल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची–834002 (iii) कार्यपालक अभियंता, योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, निरूपण भवन, डोरंडा, राँची–834002
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलन का स्थान : उपर्युक्त स्थान तथा अंकित तिथि एवं समय अनुसार।
7. कार्य की विवरणी :–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित की राशि (रू० मे०)	अग्रधन की राशि (रू० में०)	परिमान विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Supply, Installation, Testing, and Maintenance of Internet Lease Line at Nirupan Bhawan (CDO Building), Doranda, Ranchi for the FY 2025-26.	Rs. 9,79,700.00	Rs. 20000.00	Rs. 1250.00	1 Year

नोटः–
1. निविदा की शर्तें Prdjharkhand.in एवं कार्यालय के सूचना पट् पर देखी जा सकती है।
2. कार्य की प्राक्कलित राशि घटने–बढ़ने की स्थिति में उसी के अनुरूप अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य प्राप्त किया जाएगा।
3. निर्धारित निविदा तिथि को सरकार द्वारा अवकाश धोषित होने की स्थिति में निविदा आमंत्रण की तिथि अगले कार्य दिवस को निर्धारित समयावधि में संपन्न की जाएगी, तदनुसार निविदा खोलने की कार्रवाई की जाएगी।
4. Conditional Tender मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियंता,
योजना एवं अन्वेषण प्रमंडल,
पथ निर्माण विभाग, राँची

PR 367459 Road Construction Dept Road Division Ranchi(25-26).D

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

छोटी पहाड़ियों को भी सुरक्षा कवच देना जरूरी

अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा ने पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने का खतरा पैदा कर दिया है। अरावली पर्वत श्रृंखलाएं दिल्ली से लेकर गुजरात और हरियाणा-राजस्थान तक फैली हुई हैं। बरसों से अवैध निर्माण व खनन गतिविधियों ने इन श्रृंखलाओं का पहले ही खूब क्षरण हो चुका है। दो साल पहले आई वन संरक्षण रिपोर्ट के मुताबिक अरावली का तीस प्रतिशत वन क्षेत्र पिछले कुछ दशकों में ही लुप्त हो चुका है। हर साल इन्हीं कारणों से यहां हरियाली भी घटती जा रही है। यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण और बढ़ते तापमान की बड़ी वजह प्रकृति से किया जा रहा खिलवाड़ ही है। केंद्र सरकार के पैनल ने अरावली पर्वत श्रृंखला की जो नई परिभाषा सुप्रीम कोर्ट में पेश की उसे स्वीकार करने से दिल्ली-एनसीआर को रेगिस्तान बनने का नया खतरा पैदा होने की आंशका बन गई है। इस सिफारिश में कहा गया है कि 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची पहाड़ियों को ही अरावली माना जाएगा। जाहिर है वन क्षेत्र होने के कारण जिन हिस्सों में निर्माण गतिविधियां व खनन पर रोक लगी हुई थी वहां अब न केवल निर्माण बल्कि खनन का रास्ता भी साफ हो जाएगा। नई परिभाषा राजस्थान की अरावली पर्वतमाला के लिए भी संकट का कारण बन जाएगी। अरावली पर्वतमाला के कई गांवों में तो अवैध खनन के कारण पहाड़ खोखले हो गए हैं और कई जगहों पर तो ये लुप्त ही हो गए। इतना ही नहीं, कहीं वन भूमि पर आबादी पसर गई है तो कहीं सरकारों ने ही नियम-कायदों में गलियां निकालकर उद्योग-धंधों तक की अनुमति दे दी है। नतीजतन भूजल स्तर में गिरावट और जैव विविधता का नाश जैसे खतरे पैदा हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट की मंशा निश्चित ही अवैध खनन और निर्माण पर निगरानी की रही है, लेकिन नीतियां तय करते वक्त पर्यावरण संरक्षण की अनदेखी नहीं हो इसका संबंधित पक्षों को ध्यान रखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का वह फैसला भी सबके सामने है जब उसने हरियाणा में वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर बने मकानों को हटाने के निर्देश दिए थे। तब भी कोर्ट ने कहा था कि जंगल की जमीन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। देशभर में वन भूमि ही नहीं नदी-नालों तक पर अतिक्रमण के जितने भी उदाहरण सामने आते हैं उनमें निगरानी एजेंसियों की ढिलाई की बात ही सामने आती है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर सबंधित पक्षों को संवेदनशील रवैया अपनाना ही होगा। कहा यही जा रहा है कि नए पैमाने से कई पहाड़ियों सुरक्षा कवच से बाहर हो जाएंगी। 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों को संरक्षण नहीं मिला तो रेगिस्तान से उड़ने वाली धूल को दिल्ली-एनसीआर तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकेगा। प्राकृतिक आपदा ने कभी दुनिया की सबसे सुव्यवस्थित और उन्नत कही जाने वाली सिंधु घाटी सभ्यता तक को तबाह कर दिया था। आपदाएं न आए इसके लिए अरावली की परिभाषा पर पुनर्विचार करना होगा।

विमान यात्रियों के सुरक्षा उपायों की हो निरंतर समीक्षा

एयरबस कंपनी के ए-320 विमानों में सामने आई तकनीकी खामी ने वैश्विक विमानन उद्योग को यह याद दिलाया है कि आधुनिक तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो, सुरक्षा प्रक्रियाओं की कठोरता और निरंतर समीक्षा भी जरूरी होती है। ए-320 के छह हजार से अधिक विमानों में सौर विकिरण के कारण कंप्यूटर डेटा में गड़बड़ी होने का जोखिम कोई मामूली बात नहीं है। हालांकि तकनीकी दृष्टि से यह समस्या सॉफ्टवेयर अपडेट या सीमित हार्डवेयर बदलाव से हल की जा सकती है, लेकिन वास्तविक मुद्दा इससे कहीं आगे जाता है- यात्री सुरक्षा और उत्पादन के दौरान गुणवत्ता जांच की विश्वसनीयता। इस घटना का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिस त्रुटि का असर उड़ान के दौरान विमान के नियंत्रण पर पड़ सकता है, वह इतने वर्षों तक न तो निर्माण चरण में पकड़ी गई, न ही लगातार होने वाले टेस्टिंग चक्र में। जब तक एक वास्तविक उड़ान में घटना न घटी, तब तक यह खामी सामने ही नहीं आई। 30 अक्टूबर को जेटब्लू की एक उड़ान के दौरान यह गंभीर स्थिति सामने आई जब विमान अचानक नीचे गिरने लगा। इसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें पाया गया कि सोलर रेडिएशन से कंट्रोल सिस्टम का डेटा करप्ट हो गया था। यह स्थिति उस वैश्विक परीक्षण ढांचे पर प्रश्नचिह्न लगाती है जिसका उद्देश्य ऐसी खतरनाक स्थितियों का पहले से पता लगाना है। विडंबना यह है कि आधुनिक एयरोनॉटिक्स में कई टेस्टिंग व वैलिडेशन चक्र शामिल होते हैं, फिर भी यह खामी वास्तविक उड़ान के अनुभव में जाकर ही पकड़ में आई। इससे यह स्पष्ट होता है कि तकनीकी जटिलता बढ़ने के साथ परीक्षण का दायरा भी उसी अनुपात में बढ़ाया जाना चाहिए। दूसरा पहलू और भी महत्वपूर्ण है- यात्रियों की सुरक्षा का भरोसा। दुनिया भर में लाखों लोग हर दिन यह विश्वास करके विमान में बैठते हैं कि उनकी यात्रा सुरक्षित होगी और विमान से लेकर सॉफ्टवेयर तक हर घटक कठोर जांच से गुजरा होगा। ऐसे में जब किसी कंपोनेंट की समस्या उड़ान के दौरान स्वयं सामने आती है, तो यात्रियों का यह भरोसा चोटिल होता है। यह केवल तकनीकी त्रुटि का मामला नहीं, बल्कि मानव सुरक्षा और विश्वास का प्रश्न है। हालांकि एयरलाइंस और नियामकों ने समय रहते सॉफ्टवेयर फिक्स लागू करके स्थिति को नियंत्रण में रखने का प्रयास किया, लेकिन यह सवाल उठता है कि क्या यह फिक्स पर्याप्त है? एयरबस जैसे निमार्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके क्वालिटी चेक और वैलिडेशन मानक उतने ही सख्त हों जितनी आधुनिक तकनीक जटिल होती जा रही है। विमानन सुरक्षा के किसी भी पहलू को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यात्रियों की सुरक्षा किसी अपडेट पर निर्भर नहीं होनी चाहिए- वह निर्माता की प्रतिबद्धता और सिस्टम की विश्वसनीयता पर आधारित होनी चाहिए।

जंगलों की आग को कैसे नियंत्रित करें

पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादातर पेयजल योजनाएं जंगलों से होकर गुजरती हैं। उनमें जंगलों के बीच हाईडरेंट पॉइंट रखे जाने चाहिए ताकि आग लगने पर आसपास के जंगल को बचाया जा सके। केवल पाइप ले जाना होगा। इस तरह नवाचारी तरीके अपनाने होंगे। वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामने एक चुनौती और है, कि थोड़ा दूर से आग पर प्रभावी प्रहार कैसे किया जाए? जैसे टियर गैस शैल दूर से फायर किए जाते हैं। क्या आग बुझाने वाले शैल विकसित किए जा सकते हैं, जो दूर से फायर करके आग वाले क्षेत्र में फैंके जा सकें और उनमें मौजूद रसायन आग बुझाने का काम करे। आम समाज को स्कूलों, महिला मंडलों, पंचायतों, युवक मंडलों आदि के माध्यम से जागरूक करते रहना भी वनों को आग से बचाने के लिए एक जरूरी गतिविधि मानी जानी चाहिए ।

कुलभूषण उपमन्यु

जंगल धरती के फेफड़े हैं। जिंदा रहने के लिए तीन सबसे पहली जरूरतों- सांस लेने के लिए शुद्ध हवा, पानी और भोजन उपलब्ध करवाने में जंगलों की मुख्य भूमिका है। जंगलों में पेड़ कार्बनडाईआक्साइड खाकर शुद्ध ऑक्सीजन छोड़ कर हमारे लिए प्राण वायु का प्रबंध करते हैं, बारिश लाने से लेकर बारिश के पानी को अपनी जड़ों में समेट कर मिट्टी के अन्दर भूजल भंडारण करते हैं। मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बनाए रखने में पत्तियों की खाद देकर योगदान करते हैं। जंगली कंद मूल फल देकर वैकल्पिक भोजन व्यवस्था करते हैं। और जलवायु नियंत्रण करके पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखते हैं। अर्थात जंगलों के बिना मनुष्य जाति का जिन्दा रहना संभव नहीं है, हालांकि मनुष्य के न रहने पर भी जंगल की सेहत पर कोई बुरा असर नहीं होगा, बल्कि जंगल और अच्छा पनपेगा क्योंकि इस समय जंगलों के विनाश में मनुष्य समाज की ही भूमिका सबसे ज्यादा है। जंगलों में आग लगने के कारण मुख्यतः निम्न हैं : कृषि-बागवानी का अंधाधुंध प्रसार, व्यापारिक स्वार्थ, जंगल और घासनी में टकराव, घास के क्षेत्र बनाए रखने के लिए आग से वृक्षों के उगने को रोकना पुराना तरीका रहा है, और एकल प्रजाति के चीड़ आदि रोपण। चीड़ की पत्तियां ज्वलनशील होती हैं जिनमें बिरोजे के अंश होते हैं, इसलिए जल्दी आग पकड़ लेती हैं। इसलिए मिश्रित प्रजातियों के मिश्रित वन तैयार किए जाने चाहिए जो आजीविका के भी बेहतर आधार हो सकते हैं। साथ ही उनमें आग लगने की संभावना भी कम रहती है। जंगलों में अनुपयोगी विदेशी खरपतवार उन्मूलन करके घास उत्पादन को बढ़ाना चाहिए ताकि चारागाह विस्तार की जरूरत ही कम हो जाए। ऐसे निहित स्वार्थों पर सख्त रोक लगनी चाहिए जो आग लगा कर पेड़ सूख जाने पर व्यापार के लिए पेड़ प्राप्त करने के चक्कर में रहते हैं। वन आधारित आजीविका में वृद्धि के प्रयास करने चाहिए जिससे स्थानीय लोग स्वयं आग न लगाने और न लगने देने में सक्रिय हो सकते हैं।

स्थानीय समाज को वनों में आग नियंत्रण के लिए भागीदार बनाए जाने की जरूरत है, जिसके लिए सामाजिक वानिकी, और ग्राम वन विकास का काम किया जाना चाहिए। लोग जुड़ेंगे तो वनों का महत्व भी समझेंगे। वर्तमान वन अधिकार कानून इस दिशा में बढ़ने के लिए पर्याप्त कानूनी आधार प्रदान करता है, किन्तु सरकारें और वन विभाग इस कानून के क्रियान्वयन में आनाकानी वाला रुख ही अपनाए हुए हैं। इस कानून को योजनाबद्ध तरीके से लागू करने की जरूरत है। विशेषकर सामुदायिक अधिकारों और वन संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े प्रावधानों को बेझिझक लागू किया जाना चाहिए। वनों की आग को नियंत्रित करने के तरीके भी अभी तक पिछली शताब्दी वाले ही बने हुए हैं। झाड़ियों से पीट कर आग बुझाने का जमाना लद चुका है। आज का आदमी तकनीकी सहायता के बिना काम करने का आदी नहीं रहा है, न ही वह पहले जैसा कठिन श्रम करने का आदी रहा है। इसलिए आधुनिक उपकरण और मशीनी सहयोग प्रदान करना जरूरी है। गत वर्षों में जिसके अभाव में वनों में आग बुझाते हुए कई वन कर्मियों की दुखद मौत भी हो चुकी है। वर्तमान में सादे और उन्नत दोनों तरह के उपकरण आग बुझाने वाले वन सेवकों और उनके स्थानीय सहयोगियों को दिए जाने चाहिए, जिसमें आग को पीट कर बुझाने के लिए एक टिकाऊ झाड़ू, झागदार स्प्रे, और स्प्रे करने के लिए उच्च दबाव वाला पंप, झाग बनाने के लिए पानी में डिटर्जेंट मिलाया जाता है। इससे थोड़े पानी से ज्यादा प्रभाव हो सकता है। दस्ताने, अग्निरोधी बूट, फर्स्ट एड बॉक्स, और आग बुझाने वाले कार्बन डाईआक्साइड वाले सुधरे यंत्र दिए जाने चाहिए। मिस्ट तकनीक के बारे में भी सोचा जाना चाहिए। इसमें पानी को धुंध में बदल कर प्रयोग किया जाता है।

इससे बहुत कम पानी भी ज्यादा सक्षम बन जाता है। जिन जगहों पर छोटे वाहन जा सकते हैं वहां ऑफ रोड फोर बाय फोर वाहन होने चाहिए जिनसे पर्याप्त मात्रा में भारी दबाव से स्प्रे किया जा सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में ज्यादातर पेयजल योजनाएं जंगलों से होकर गुजरती हैं। उनमें जंगलों के बीच हाईडरेंट पॉइंट रखे जाने चाहिए ताकि आग लगने पर आसपास के जंगल को बचाया जा सके। केवल पाइप ले जाना होगा। इस तरह नवाचारी तरीके अपनाने होंगे। वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के सामने एक चुनौती और है, कि थोड़ा दूर से आग पर प्रभावी प्रहार कैसे किया जाए? जैसे टियर गैस शैल दूर से फायर किए जाते हैं। क्या आग बुझाने वाले शैल विकसित किए जा सकते हैं, जो दूर से फायर करके आग वाले क्षेत्र में फैंके जा सकें और उनमें मौजूद रसायन आग बुझाने का काम करे। आम समाज को स्कूलों, महिला मंडलों, पंचायतों, युवक मंडलों आदि के माध्यम से जागरूक करते रहना भी वनों को आग से बचाने के लिए एक जरूरी गतिविधि मानी जानी चाहिए, जिसे हर साल किया जाना चाहिए। ज्यादातर आग गर्मियों में लगती है किन्तु अभी से तैयारी करेंगे, तभी सफल नियंत्रण कर सकेंगे। सरकारों को भी इसके लिए जरूरी बजट उपलब्ध करवाना और जरूरी सुधार नियम बनाना भी एक जरूरी पक्ष है, जिसकी पहल सरकार को करनी चाहिए।

डेड इकोनॉमी के नैरेटिव पर भारत का करारा जवाब

विपक्षी दलों और सरकार के आलोचकों ने आइएमएफ की रेटिंग को अपनी लंबे समय से उठाई जा रही आपत्तियों की पुष्टि के रूप में पेश किया है। आलोचकों के अनुसार बेस-इफेक्ट का प्रभाव, जीडीपी और जीवीए के बीच अंतर, कॉरपोरेट टैक्स संग्रहण में सुस्त वृद्धि और सरकारी व्यय में कमी इस शंका को जन्म देते हैं कि 8.2■ की वृद्धि दर व्यापक आर्थिक विस्तार का संकेत है या फिर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित उछाल भर है। उनका तर्क है कि जीडीपी की वृद्धि दर का उत्सव मनाया जाता है, पर आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी और स्थिर वेतन जैसी चुनौतियों से जूझते रहते हैं- तब सांख्यिकीय विश्वसनीयता लोकतांत्रिक चिंता का विषय बन जाती है।

केएस. तोमर

जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कुछ महीने पहले भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहकर उपहास उड़ाया और उसके तुरंत बाद भारतीय वस्तुओं पर अभूतपूर्व 50प्रतिशत शुल्क बाधा लगाई, तब वैश्विक वित्तीय संस्थानों, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों और बाजार विश्लेषकों में मानो यही सर्वसम्मति बन गई थी कि भारत आर्थिक रूप से डगमगा जाएगा। वाशिंगटन को तो लग रहा था कि निर्यात में बड़ी गिरावट आएगी, उपभोग की गति टूट जाएगी व निजी निवेश असहज माहौल में सिकुड़ जाएगा। लेकिन जिन परिस्थितियों में गिरावट की भविष्यवाणी थी, वहीं से भारत ने आर्थिक वापसी का सबसे दमदार प्रदर्शन दिया। वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत ने 8.2प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर्ज की- यह पिछले छह तिमाहियों में सर्वाधिक और समान अवधि में विश्व की किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था से बेहतर रही। यह उपलब्धि उस मिथक को निर्णायक रूप से तोड़ती है कि आर्थिक दबाव डालकर उभरती शक्तियों को समझौतों के लिए झुकाया जा सकता है और यह स्पष्ट संदेश देती है कि भारत अब वैश्विक व्यवस्था में एक आत्मनिर्भर रणनीतिक अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा है।सुधार, उपभोग और विनिर्माण-वह इंजन जिसने टैरिफ के आघात को चुनौती दीः इस वृद्धि की जड़ें बाहरी मांग के बजाय घरेलू संरचना में हैं। पहली बार भारत का विकास इंजन आंतरिक उपभोग, सुधारों और उत्पादन क्षमता पर निर्भर दिखाई दिया। निजी उपभोग में 7.9त्न की वृद्धि दर्ज की गई, जिसे जीएसटी सरलीकरण, उपभोक्ता वस्तुओं पर कर राहत, डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार, श्रम सुधारों और रोजगार अवसरों में सुधार से गति मिली। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ने से ऑटोमोबाइल, घरेलू उपकरण, रियल एस्टेट और यात्रा-संबंधित सेवाओं में मांग तेज हुई।

भविष्य की चुनौतियां- राजकोषीय अतिरेक से बचते हुए रफ्तार बनाए रखनाः आने वाले महीनों में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि उपभोग आधारित वृद्धि को बनाए रखते हुए राजकोषीय संतुलन को कैसे सुरक्षित रखा जाए। अत्यधिक प्रोत्साहन नीति अल्पकालिक उत्साह तो दे सकती है, लेकिन राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकती है। दूसरा जोखिम निवेश असमानता है- यदि पूंजी निवेश तेजी से बढ़ता है पर यह कॉर्पोरेट दिग्गजों तक सीमित रहता है और एमएसएमई तथा सनराइज-उद्योगों तक नहीं पहुंचता तो वृद्धि टिकाऊ नहीं होगी। तीसरा बाहरी जोखिम ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता, पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में वित्तीय सख्ती और मध्य-पूर्व तनाव से जुड़ा है- ऊर्जा सुरक्षा और निर्यात विविधीकरण को तेजी से मजबूत करना होगा।

उपभोक्ता और मध्य वर्ग- राहत भी, सीमाएं भीः मध्य वर्ग इस तिमाही में सबसे बड़ा लाभार्थी उभरकर सामने आया है। कर राहत और मुद्रास्फीति का अक्टूबर में 0.25% के ऐतिहासिक निम्न स्तर पर आना क्रय शक्ति को मजबूती देता है। इसके सीधे संकेत ऑटोमोबाइल व हाउसिंग में रिकॉर्ड मांग, घरेलू उपकरणों की बिक्री, हॉस्पिटैलिटी तथा ट्रेवल सेक्टर में तेजी के रूप में दिखे। रोजगार सृजन में सुधार ने टियर-2 और टियर-3 शहरों को भी सक्रिय भागीदार बनाया। इसकी सीमाएं स्पष्ट हैं। नाममात्र जीडीपी (8.7%) का वास्तविक जीडीपी (8.2%) के बहुत करीब रहना इंगित करता है कि उद्योगों के लाभ-मार्जिन बहुत व्यापक नहीं हैं, यानी विकास मजबूत जरूर है लेकिन बिना दबाव के नहीं।

भारत की वैश्विक छवि- आर्थिक संप्रभुता और वार्ता शक्ति का उदयः इस तिमाही का प्रभाव केवल जीडीपी वृद्धि तक सीमित नहीं है। विश्व अर्थव्यवस्था में इससे भारत की रणनीतिक प्रतिष्ठा व बातचीत की क्षमता में निर्णायक वृद्धि हुई है। दशकों तक यह धारणा कायम रही कि पश्चिमी संरक्षणवादी नीतियों के बीच उभरती अर्थव्यवस्थाएं कमजोर पड़ जाती हैं, पर 50% अमरीकी शुल्क दीवार के बीच भी भारत का वैश्विक सर्वोच्च तिमाही विकास हासिल करना इस धारणा के विरुद्ध ठोस प्रमाण है। इसके प्रभाव निवेशकों, बहुपक्षीय संस्थानों व रणनीतिक समुदाय के बीच स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत अब न तो भू-राजनीतिक दबाव में नीति परिवर्तन करेगा और न आर्थिक प्रलोभनों के बदले रणनीतिक समझौते।

विपक्ष का डेटा अंतराल पर प्रश्न- सांख्यिकीय विश्वसनीयता की बहसः विपक्षी दलों और सरकार के आलोचकों ने आइएमएफ की रेटिंग को अपनी लंबे समय से उठाई जा रही आपत्तियों की पुष्टि के रूप में पेश किया है। आलोचकों के अनुसार बेस-इफेक्ट का प्रभाव, जीडीपी और जीवीए के बीच अंतर, कॉरपोरेट टैक्स संग्रहण में सुस्त वृद्धि और सरकारी व्यय में कमी इस शंका को जन्म देते हैं कि 8.2% की वृद्धि दर व्यापक आर्थिक विस्तार का संकेत है या फिर कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित उछाल भर है। उनका तर्क है कि जीडीपी की वृद्धि दर का उत्सव मनाया जाता है, पर आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी और स्थिर वेतन जैसी चुनौतियों से जूझते रहते हैं- तब सांख्यिकीय विश्वसनीयता लोकतांत्रिक चिंता का विषय बन जाती है। आलोचनाओं के कुछ पहलुओं में राजनीतिक उद्देश्य भी हो सकते हैं, पर वे एक महत्वपूर्ण बिंदु की ओर ध्यान दिलाते हैंः वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखने वाले देश के लिए सांख्यिकीय ईमानदारी किसी दलगत बहस की विलासिता नहीं, बल्कि रणनीतिक अनिवार्यता है।

संतों की शरण

श्रीराम शर्मा

स्वामी श्री रामसुखदास जी महाराज

चिंतन-मनन

एक गांव में एक ठाकुर थे। उनके कुटुम्ब में कोई आदमी नहीं बचा, केवल एक लडका रह गया। वह एक ठाकुर के घर काम करने लग गया। रोजाना सुबह वह बछड़े चराने जाता था और लौटकर आता तो रोटी खा लेता था। ऐसे समय बीतता गया। एक दिन दोपहर के समय वह बछड़े चराकर आया तो ठाकुर की नौकरानी ने उसको ठंडी रोटी खाने के लिए दे दी। उसने कहा कि थोड़ी-सी छाछ या राबड़ी मिल जाए तो ठीक है। नौकरानी ने कहा कि जा-जा, तेरे लिए बनायी है राबड़ी! जा, ऐसे ही खा ले, नहीं तो तेरी मरजी! उस लडके के मन में गुस्सा आया कि मैं धूप में बछड़े चराकर आया हूं, भूखा हूं, पर मेरे को बाजरे की रूखी रोटी दे दी, राबड़ी मांगी तो तिरस्कार कर दिया! वह भूखा ही वहां से चला गया। गांव के पास में एक शहर था। उस शहर में संतों की एक मण्डली आयी हुई थी। वह लडका वहां चला गया। सन्तों ने उसको भोजन कराया और पूछा कि तेरे परिवार में कौन है? उसने कहा कि कोई नहीं है तो सन्तों ने कहा कि तू साधु बन जा। लडका साधु बन गया। फिर वह पढ़ने के लिए काशी चला गया। वहां पढ़कर वह विद्वान हो गया। फिर समय पाकर वह मण्डलेश्वर (महन्त) बन गया। मण्डलेश्वर बनने के बाद एक दिन उनको उसी शहर में आने का निमन्त्रण मिला। वे अपनी मण्डली को लेकर वहां आए। जिनके यहां वे बचपन में काम करते थे, वे ठाकुर बूढ़े हो गए थे। ठाकुर उनके पास गए, उनका सत्संग किया और प्रार्थना की कि महाराज! एक बार हमारी कुटिया में पधारो, जिससे हमारी कुटिया पवित्र हो जाए! मण्डलेश्वर जी ने उनका निमन्त्रण स्वीकार कर लिया। मण्डलेश्वर जी अपनी मण्डली के साथ ठाकुर के घर पधारे। भोजन के लिए पंक्ति बैठी। गीता के पन्द्रहवें अध्याय का पाठ हुआ। फिर सबने भोजन करना आरम्भ किया। महाराज के सामने तख्ता लगा हुआ था और उस पर तरह-तरह के भोजन के पदार्थ रखे हुए थे। अब ठाकुर महाराज के पास आए। साथ में नौकर था, जिसके हाथ में हलवे का पात्र था। ठाकुर प्रार्थना करने लगे कि ह्यमहाराज! कृपा करके थोड़ा-सा हलवा मेरे हाथ से ले लो! महाराज को हंसी आ गयी। ठाकुर ने पूछा कि आप हंसे कैसे?

आपके पत्र

प्रदूषण रोकने के लिए ठोस उपायों की जरूरत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में लोगों की जान पर भारी पड़ते वायु प्रदूषण पर एक बार फिर से सुप्रीम कोर्ट सख्त दिख रहा है। कोर्ट इस मुद्दे पर नियमित सुनवाई कर सकता है और इसके लिए राज्य सरकारों को भी गंभीर होने के लिए कहा है।

कोर्ट ने अब जो बड़ी बात कही है वो काफी सराहनीय है। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के बहुत से कारण हो सकते हैं, इसके लिए विशेषज्ञों को काम करना चाहिए, इन्हें इसका हल निकालना चाहिए। अब तक दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के लिए पराली और पटाखे ही सबसे बड़े कारण बताए जाते रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों का भी शायद यह मानना है कि सर्दियों में वातावरण में एक कॉल्ड परत बन जाती है जो दूषित हवा को बेअसर नहीं होने देती।

आरके शर्मा, रांची।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

मधुमक्खी के हमले से एक व्यक्ति हुआ घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सकरीगली पठान टोली निवासी व्यक्ति शेख इजराइल उम्र 65 वर्ष पिता शेख जुद्दीन को सोमवार को उस वक्त मधुमक्खियों के झुंड ने एकाएक हमला कर दिया जब वो अपने साइकिल दुकान के पीछे पानी लाने के लिए जा रहे थे। उधर मधुमक्खियों के हमले से व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके बाद परिजन उसे आनन फानन में बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लेकर आए। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा ने फौरन उसका इलाज किया। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के देखरेख में उसका इलाज जारी है जहां वो खतरे से बाहर बताया जा रहा है।

दुर्घटना में दस वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से हुई घायल

साहिबगंज : उधवा-राधानगर मुख्य पथ स्थित कटहलबाड़ी बाजार के निकट बहरुल उलूम मदरसा के पास रविवार की देर शाम ट्रैक्टर और टोटो की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना में टोटो पर सवार दस वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई जबकि अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आई है। दुर्घटना में टोटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मिली जानकारी अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के बेगमगंज गांव का एक परिवार टोटो से एक शादी समारोह में शामिल होने जामनगर जा रहा था। इसी दौरान मदरसा के समीप अचानक एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने टोटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बच्ची का दायां पैर फैक्चर हो गया। घटना के बाद परिजनों ने घायल बच्ची को उपचार के लिए भागलपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां बच्ची का इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना संबंधित थाना को दे दी गई है।

एड्स के प्रति सुरक्षा के उपाय अपनाने और समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित

साहिबगंज : जिला मुख्यालय स्थित कारा परिसर में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कारा में कार्यरत सभी गृहरक्षकों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई।एड्स दिवस के तहत सीमित बंदियों को एचआईवी एड्स के प्रति जागरूक रहने सुरक्षा के उपाय अपनाने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया गया और सही जानकारी उपलब्ध कराई गई।उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता परमेश्वर भगत, काराधीक्षक, द्वारा की गई। कार्यक्रम में डॉ. मोहन मुर्मू, कारा चिकित्सक उमेश कुमार यादव, कारा मिश्रक, तथा श्री जगत मोहन मंडल, कारा परिशायक उपस्थित रहे।इस पहल का उद्देश्य कारा परिसर में स्वास्थ्य सुरक्षा जागरूकता व सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देना है।

बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों से लगभग 75 हजार रुपए की राजस्व वसूली

साहिबगंज : बिना टिकट के ट्रेन में सफर करने से यात्रियों को रोकने के उद्देश्य से सोमवार को साहिबगंज और भागलपुर रेलवे स्टेशन के बीच विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया।इस दौरान सीआईटी एल एच कुमार और उसकी टीम ने सैकड़ों बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों से लगभग 75 हजार रुपए की राजस्व वसूली की गई।सीआईटी ने बताया कि साहिबगंज और भागलपुर के बीच चलने वाली कई ट्रेनों में सोमवार को विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया।इस दौरान लोगों को बिना टिकट यात्रा न करने को लेकर जागरूक भी किया गया।कहा कि यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा चाहिए तो उन्हें उचित टिकट लेकर ही यात्रा करनी चाहिए।बिना टिकट यात्रा करना अपराध है।

अनियंत्रित गाड़ी तालाब में गिरी, बाल-बाल बचा चालक

मेदिनीनगर : चैनपुर थाना क्षेत्र के पनेरीबांध स्थित फरबीसबांध तालाब में सोमवार को अनियंत्रित होकर एक पिकअप वैन जा गिरा। गाड़ी तालाब में डूब गया है परंतु ड्राइवर संतोष कुमार प्रजापति बाल बाल बच गया है। सूचना मिलने पर चैनपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर पिकअप वैन को तालाब से बाहर निकलवाई। ड्राइवर संतोष प्रजापति ने बताया कि प्रकाश टेंट हाउस का समान लेकर वह बद्री रिजॉर्ट गया था।

ग्रामीणों ने कई मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें विधायक के समक्ष रखी

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के बिंदुपाड़ा पंचायत अंतर्गत बिंदुपाड़ा, चाउलछल्ला और लघोपाड़ा गांवों में सोमवार को पाकुड़ विधायक निसात आलम ने व्यापक क्षेत्रीय दौरा किया।दौरे के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को गंभीरता से सुना।ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल संकट,सड़क मरम्मत, म्यूटेशन, चापाकल की खराबी नाली-निकासी व्यवस्था सहित कई मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं।वहीं महिलाओं ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन के बावजूद राशि नहीं मिलने,राशन कार्ड में परिवार के सदस्यों का नाम जुड़ने में आ रही दिक्कतों सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित समस्याओं को साझा किया।लघोपाड़ा में ग्रामीणों ने

लिखित आवेदन के माध्यम से भी अपनी समस्याएँ अवगत कराईं।ग्रामीणों की बातें सुनने के बाद विधायक निसात आलम ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि आपकी हर समस्या मेरी प्राथमिकता है।संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से बात कर समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।आपकी समस्याएँ सुनने के लिए मैं स्वयं आपके बीच आई हूँ ताकि आपके विश्वास पर खरा उतर सकूं।आपने मुझे झारखंड में सर्वाधिक मतों से जीताकर जो जिम्मेदारी दी है,उसे मैं पूरी ईमानदारी से निभाऊंगी।द्दौरे के दौरान जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास,जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर, सुभोजित मिश्रा,शारिक रब्बानी अजीत कुमार रॉय,मोतिउर अंसारी,मोफ्क खैरुल इस्लाम,सद्दाम शेख,नईम अख्तर अंसारी,मोहम्मद अंसारी,राहुल अंसारी,अकबर खान,जहरुल खान, बप्पा भट्टाचार्य,शमीमा खातून,दौरान चौधरी,सफीकुल शेख,सूफी शेख सहित सम्मानित कार्यकर्तागण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

लाइट खराब होने पर एजेंसी के विरुद्ध होगी कार्रवाई : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को जिले में सोलर हाई मास्ट लाइट अधिष्ठापन को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

दुमका जिला प्रशासन द्वारा ज्रेडा रांची के माध्यम से जिले के 87 महत्वपूर्ण चौक-चौराहों पर सोलर हाई मास्ट लाइटें स्थापित की जा रही हैं। यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने बताया कि इन सोलर लाइटों के लगने से रात्रि में चौक-चौराहों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे न सिर्फ सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि ग्रामीणों की रात्रिकालीन आवाजाही सुरक्षित एवं सुविधाजनक हो सकेगी।रोशनी बढ़ने से सामाजिक गतिविधियों में भी सुगमता आएगी।

सौर ऊर्जा आधारित होने के कारण यह लाइटें पर्यावरण के अनुकूल, ऊर्जा-सक्षम तथा बिजली पर निर्भरता से मुक्त हैं। इससे ग्रामीण समुदायों को निरंतर और किफायती प्रकाश उपलब्ध होगा।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने संबंधित एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया कि अगले पाँच वर्षों तक हाई मास्ट लाइटों का संपूर्ण मेंटेनेंस कार्य एजेंसी द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। यदि इस अवधि में लाइटों में कोई खराबी आती है और एजेंसी समय पर मरम्मत नहीं करती है, तो एजेंसी के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपाधीक्षक

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू की अध्यक्षता में सोमवार को मासिक समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। उक्त बैठक में सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी एएनएम एमपी डब्ल्यू, बीटीटी सहिया साथी व सभी विभाग के पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। जहां बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करना एवं लाभ पहुंचाना रहा। उधर बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर वार कुल 24 इंडिकेटर पर समीक्षा की गई । और आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए उपाधीक्षक द्वारा कहा गया की कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बैठक में प्रखंड लेखा प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विकास फ्रांसिस खालको, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, विश्व स्वास्थ्य संगठन के बासुकीनाथ यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में एक की मौत

साहिबगंज : उधवा- बरहरवा फोरलेन सड़क पर निमार्णाधीन हिस्से में देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया ।जिसमें 40 वर्षीय सेनाउल शेख की मौत हो गई। घटना माधोपाड़ा हटिया के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर गुमास्ता टोला निवासी सेनाउल शेख शाम के समय बरहरवा से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान फोरलेन के गढ्ढेनुमा हिस्से में बाइक असंतुलित होने से वे जोरदार तरीके से सड़क पर गिर पड़े। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद सेनाउल शेख काफी देर तक सड़क पर घायल अवस्था में पड़े रहे। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें उपचार के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। सोमवार को मृतक का कफन-दफन कर दिया गया।

नीति आयोग की समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में सोमवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति को गति देने को लेकर नीति आयोग से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त श्री सिन्हा ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नीति आयोग द्वारा निर्धारित मानकों को समय-सीमा के भीतर पूरा करें तथा लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँच सके। उन्होंने नीति आयोग से प्राप्त राशि से संचालित विभिन्न योजनाओं – जैसे डिजिटल आंगनबाड़ी, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी डेवलपमेंट, स्किल इंप्रूवमेंट इनिशिएटिव फॉर ट्राइबल यूथ, बम्बू मेकिंग सैड आदि – की प्रगति की समीक्षा की गई। कई कार्य पूर्णता के चरण में पाए गए, जिन्हें संबंधित विभागों को जल्द से जल्द हैंडओवर कर क्रियाशील करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी सहित विभिन्न वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

जमीन सौदा विवाद को लेकर युवक पर मामला दर्ज

साहिबगंज : उधवा राधानगर थाना क्षेत्र में जमीन खरीद-फरोख्त को लेकर उत्पन्न विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। सरफराजगंज बोतलुटोला के अशोक मंडल और रहीम शेख ने जंगलपाड़ा निवासी हुकूमत शेख के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। आवेदन के अनुसार दोनों खरीदारों ने बताया कि उन्होंने मिलकर हुकूमत शेख पिताझ्रवाजेद शेख से मौजा पतौड़ा, जमाबंदी संख्या 115 व 172 के दाग संख्या 1907 व 1817 के अंतर्गत लगभग 1 एकड़ 18 धूर जमीन खरीदने पर सहमति बनाई थी। सौदे की कीमत 2 लाख 17 हजार रुपये प्रति कट्ठा तय हुई थी, जिसके आधार पर कुल 82 लाख 46 हजार रुपये में जमीन देने की बात हुई। खरीदारों ने बताया कि बयाने के रूप में तीन किस्तों में 40 लाख 20 हजार रुपये हुकूमत शेख को दे दिए गए थे और बाकी राशि का भुगतान 15 जुलाई 2023 को निबंधन के दिन होना तय था। लेकिन आवश्यक कागजात पूरे न होने की वजह से समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। इसके बाद विक्रेता ने न तो पैसा लौटाया और न ही जमीन देने की सहमति जताई, बल्कि जमीन किसी और को बेचने की कोशिश करने लगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए समाज के बीच 5 मार्च 2023 को बैठक भी बुलाई गई थी, जिसमें हुकूमत शेख ने प्राप्त राशि स्वीकार करते हुए कागजात सुधार कर 21 दिसंबर 2024 को निबंधन कराने का वादा किया था। साथ ही यह भी कहा था कि तय समय पर निबंधन नहीं होने की स्थिति में वह पूरा पैसा हजार्ना सहित वापस करेगा। लेकिन शिकायतकताओं का आरोप है कि अब भुगतान मांगने पर वह उल्टा धमकी दे रहा है।

परिवार ने दबंग पड़ोसियों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप

संवाददाता

साहिबगंज : जिले के जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत इकरा कॉलोनी महाजन टोला से एक गंभीर मामला सामने आया है।जहाँ स्थानीय निवासी समीम अली उम्र 56 वर्ष पिता स्व.अजीज अली ने अपने पड़ोसियों पर लगातार गाली-गलौज मारपीट बच्चों पर हमला और जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया है।पीड़ित परिवार ने इसकी लिखित शिकायत संबंधित पदाधिकारी को सौंपते हुए सुरक्षा की मांग की है।पीड़ित समीम अली का आरोप है कि वे वर्ष1985 से अपनी जमीन पर घर बनाकर रह रहे हैं। उनके बाद कई अन्य परिवार भी वहीं बसे।लेकिन उनके घर के सामने रहने वाले मोहम्मद जौहर अंसारी उसकी पत्नी बीबी नूरी एवं उसका भाई गौहर अंसारी आए दिन बिना किसी वजह के गाली-गलौज और झगड़ा करते रहते हैं। घटना के अनुसार 31 नवंबर 2025 को समीम अली के 4 वर्षीय नतनी के ऊपर कथित रूप से गाड़ा कचरा फेंक दिया ।जिससे उसके चेहरे और आंख में चोट लग गई।जब परिजन आपत्ति जताने गए तो आरोपी पक्ष हथियार लेकर घर में घुस आया और पूरे परिवार को गाली-गलौज करते हुए ।

जान से मारने की धमकी दी

पीड़ितों के अनुसार आरोपियों ने दामाद कमरुल जमा पुत्र वसीम आलम और परिवार के अन्य सदस्यों को भी धमकाया और कहा कि तुम लोगों का मन बढ़ गया है। किसी भी वक्त बड़ी

घटना कर देंगे। परिवार का कहना है कि जौहर अंसारी और गौहर अंसारी का मेलजोल क्षेत्र के दबंग और असामाजिक तत्वों के साथ है।जिसके कारण ये इलाके में दहशत फैलाए हुए हैं।मामले को और गंभीर बताते हुए पीड़ित ने कहा कि नगर परिषद के रोड को लेकर जौहर अंसारी विवाद खड़ा कर जमीन नापी की प्रक्रिया तक नहीं होने दे रहा।विरोध करने पर परिवार को धमकाया जाता है।समीम अली ने अपने आवेदन में स्पष्ट कहा है कि

यदि भविष्य में हमारे परिवार के किसी भी सदस्य के साथ कोई अप्रिय घटना होती है,तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मोहम्मद जौहर अंसारी और गौहर अंसारी की होगी।परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच, आरोपियों पर कार्रवाई व सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

जब कार्तिक आर्यन ने बढ़ा लिया था 18 किलो वजन

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी के प्रदर्शन के तीन साल पूरे हो गए हैं। फिल्म का प्रीमियर दो दिसंबर 2022 को डिज्नी हॉटस्टार पर हुआ था। इस फिल्म के प्रदर्शन के तीन साल पूरे हो गए हैं। अपनी तीसरी सालगिरह पर कार्तिक आर्यन की फिल्म फ्रेडी आज भी उनके सबसे साहसी सिनेमाई प्रयोगों में से एक मानी जाती है क्योंकि ह्यभूल भुलैया 3ह्ल की भारी सफलता और चंदू चैंपियन की शानदार आलोचनात्मक सराहना से बहुत पहले ही कार्तिक ने साबित कर दिया था कि वह जोखिम लेने से नहीं डरते। वर्ष 2022 में प्रदर्शित फिल्म फ्रेडी में डॉ. फ्रेडी जिनवाला का किरदार उनके चॉकलेटी, बॉय-नेक्स्ट-डोर इमेज से बिल्कुल अलग बेचैन, अकेला और अस्थिर था और कार्तिक ने इसे इस शिद्दत से निभाया कि दर्शक और समीक्षक दोनों हैरान रह गए। फिल्म के भीतर उतरने के लिए कार्तिक ने एक जबरदस्त शारीरिक परिवर्तन किया था, जिसके लिए उन्होंने 16-18 किलो तक अपना वजन बढ़ाते हुए, अपने बॉडी फैट को लगभग 40 से 42 प्रतिशत तक ले गए थे।

इससे हुआ यह कि उनकी झुकी हुई चाल, हल्के झटके जैसी आदतें और बारीक, नपे-तुले एक्सप्रेशंस ने किरदार को एक सिहरन भरी सच्चाई से भर दिया। उनके दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी माना कि कार्तिक का कंट्रोल्ड परफॉर्मेंस उनकी मासूमियत और जुनून के बीच एक संतुलन जैसा रहा और यही फिल्म की जान बन गया। यही वजह है कि आज भी फ्रेडी को उनके करियर की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस में से एक माना जाता है। कार्तिक आर्यन के फिल्मी सफर में फ्रेडी इसलिए भी खास है, क्योंकि फ्रेडी के तुरंत बाद कार्तिक को चंदू चैंपियन के एथलीट-अवतार में ढलना था, जहां उन्हें अपने शरीर का बॉडी फैट घटाकर चट्टान जैसी फिटनेस और सैन्य अनुशासन जैसी ट्रेनिंग लेनी थी। ऐसे में इन दोनों किरदारों के बीच यह भारी बदलाव न सिर्फ उनकी शारीरिक सहनशक्ति, बल्कि उनके काम के प्रति अथाह समर्पण को भी दर्शाता है और उनकी यही क्वालिटी आज उनके अभिनय सफर की पहचान बन चुकी है। फिल्म फ्रेडी न केवल कार्तिक की सीमाएं तोड़ने की हिम्मत का प्रतीक है, बल्कि वह मुकाम भी है, जिसने इंडस्ट्री की नजर में उन्हें सिर्फ एक हिट मशीन नहीं, बल्कि एक गंभीर, गहन, और प्रयोग करने वाले अभिनेता के रूप में स्थापित किया और उनकी सिनेमाई यात्रा को एक नई दिशा दी।

हेमा मालिनी ने जल्दबाजी में धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार करने पर तोड़ी चुप्पी, कहा-

आखिरी दिनों में वे बहुत कष्ट में थे

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र 24 नवंबर को निधन हो गया था। उनके निधन की खबर ने न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे सिनेमा जगत और देश-विदेश के उनके फैंस को सदमे में डाल दिया था। वहीं, दिग्गज एक्टर के निधन के बाद उनके जल्दबाजी में किए गए संस्कार पर भी काफी सवाल उठे। फैंस अपने चहेते स्टार के अंतिम दर्शन नहीं कर पाए। वहीं, अब धरम जी के निधन के करीब एक हफ्ते बाद उनकी पत्नी व एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने जल्दबाजी में हुए एक्टर के अंतिम संस्कार पर चुप्पी तोड़ी है और उनके आखिरी दिनों के बारे में खुलकर बात की।

यूएई के फिल्ममेकर हमाद अल रेयामी ने धर्मेंद्र के निधन के बाद हाल ही में हेमा मालिनी से मुलाकात की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर हेमा संग तस्वीर शेयर करते हुए एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा।

अपने नोट में उन्होंने लिखा- हेमा मालिनी के साथ मुलाकात के बाद उन्होंने एहसास हुआ कि वे कितनी गहरी उदासी में जी रही हैं। हेमा को अपने हमसफर धर्मेंद्र के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाने का अफसोस है। हेमा मालिनी ने अपनी कांपती आवाज में रेयामी के सामने कहा कि काश वे दो महीने पहले की तरह धर्मेंद्र से फॉर्महाउस पर मिल पातीं। साथ ही हेमा मालिनी ने कहा कि आखिरी दिनों में धर्मेंद्र सेहत की वजह से काफी कष्ट में थे।

उन्होंने लिखा है, 'शोक के तीसरे दिन मैं मशहूर आर्टिस्ट हेमा मालिनी से मिलने गया, जो दिवंगत सुपरस्टार धर्मेंद्र की पत्नी हैं। यह पहली बार था, जब मैं उनसे आमने-सामने मिला था। हालांकि मैंने उन्हें पहले भी कई बार दूर से देखा था, लेकिन इस बार कुछ अलग था। यह एक दुखद अवसर था, ऐसा दुख जो लगभग समझ से बाहर है। मैं कितनी भी कोशिश कर लूं, मैं उनके साथ बैठा और मैं उनके चेहरे पर एक अंदरूनी उथल-पुथल देख सकता था जिसे वे पूरी तरह छिपाने की कोशिश कर रही थीं'। रेयामी ने अपने नोट में आगे बताया कि मुलाकात में हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की कविताओं का जिक्र किया। उन्होंने याद किया कि किस तरह उन्होंने धर्मेंद्र से अपने आर्टिकल पब्लिश कराने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अभी नहीं, पहले कुछ कविताएं पूरी कर लेने दो। मगर दुखद कि वक्त ने धर्मेंद्र को यह ख्वाहिश पूरी नहीं करने दी'।

हेमा मालिनी ने इस दौरान बताया कि धर्मेंद्र हमेशा से चाहते थे कि उन्हें मजबूत देखा जाए। परिवार वाले भी उन्हें कभी कमजोर या बीमार न देखें। उनके आखिरी दिन बहुत दर्दनाक थे और उन्हें लगा कि फैंस को उन्हें उनकी पूरी ताकत के साथ याद रखना चाहिए न कि उनके दुख के साथ। फिर उन्होंने बहुत दुख के साथ कहा कि उन्हें अफसोस है कि उनके फैंस को उन्हें आखिरी बार देखने का मौका नहीं मिला।

रेयामी ने आखिरी में लिखा, 'जब मैं जाने के लिए तैयार था तो मैंने हेमा मालिनी से बहुत झिझकते हुए उनके साथ एक फोटो लेने को कहा, क्योंकि मेरे पास उनके साथ कोई फोटो नहीं थी। और, उनका रिएक्शन वैसा ही था, जैसा हमेशा धर्मेंद्र का रिएक्शन होता था। चेहरे पर मुस्कान और स्वागतभरा। मेरे हमेशा के हीरो लेजेंडरी सुपरस्टार धर्मेंद्र को अलविदा'। बता दें, धर्मेंद्र लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्हें सांस लेने में परेशानी के कारण 31 अक्टूबर, 2025 को मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में रूटीन चेकअप के लिए एडमिट कराया गया था। 12 नवंबर को उन्हें हॉस्पिटल से डिस्चार्ज मिला और फिर उनका घर पर इलाज चल रहा था, लेकिन वो अपनी बीमारी को मात नहीं दे पाए और 24 नवंबर को इस दुनिया से चल बसे। फिर दिग्गज एक्टर का इसी दिन मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया।

फिटनेस आकलन के लिए बंगलुरु पहुंचे गिल, शुभमन की ट्वेंटी-20 सीरीज में खेलने की संभावना 50- 50

एजेंसी/नई दिल्लीः भारत की टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उपकप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा। अजित अगरकर की अगवाई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी, जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

हार्दिक पूरी तरह फिटः भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है, क्योंकि हार्दिक पांड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे, जिससे कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया, 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और रिटर्न टू प्ले प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है, तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

जया बच्चन ने पैपराजी को बुलाया चूहा तो भड़के अशोक पंडित, कहा-

'उनके बयान से घमंडी अमीरी की बू आती',

एक्ट्रेस जया बच्चन का बेबाक अंदाज किसी से छुपा नही है। वो अक्सर पैपराजी और फैंस पर गुस्सा करती नजर आती हैं और अपने इसी रवैये के लिए खूब ट्रोल भी होती है। वहीं, बीते दिन फिर से जया ने पैपराजी पर अपना गुस्सा निकाला था, जिस पर हाल ही में फेमस प्रोड्यूसर ने उनकी आलोचना की है और उनके बयान को घमंडी एलिटिज्म बताया है।

प्रोड्यूसर अशोक पंडित ने हाल ही में एक स्टेटमेंट जारी किया, जिसमें उन्होंने जया बच्चन के पैपराजी कल्चर पर दिए गए बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा, पैपराजी के खिलाफ जया बच्चन जी के बयान से घमंडी अमीरी की बू आती है। कुछ पैप्स की एग्रेसिव कवरेज की बुराई करना एक बात है लेकिन पूरी तरह से क्लासिस्ट बातों से भरे प्रोफेशन को नीचा दिखाना हमारी फिल्म इंडस्ट्री के इतने सीनियर मेंबर और सांसद को शोभा नहीं देता।

अशोक पंडित ने आगे कहा, वे मेहनती प्रोफेशनल हैं जो अपना काम कर रहे हैं, जिसके लिए ज्यादातर खुद स्टार्स और उनकी पीआर टीमों ही उन्हें बुलाती है। इसलिए अगर पैपराजी कल्चर के खिलाफ उनकी इतनी मजबूत राय है तो गलत गुस्सा दिखाने की बजाय खुद के अंदर झांकने का समय आ गया है।

क्या बोलीं थीं जया बच्चन? : बता दें, बरखा दत्त के साथ बातचीत में जया बच्चन ने कहा था कि वह मीडिया का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन पैपराजी के साथ उनका रिलेशनशिप जीरो है। जया ने यह भी कहा था, ये लोग कौन हैं? वे किस बैकग्राउंड से हैं? क्या उन्हें इस देश के लोगों को रिप्रेजेंट करने के लिए ट्रेन किया गया है? आप उन्हें मीडिया कहते हैं? उन्होंने पैप्स को चूहा बताया था और कहा था कि वे गंदे पैंट्स पहनकर फोन लेकर उन्हें क्लिक करते हैं और गलत कमेंट्स पास करते हैं।

सीरियल किलर की गुत्थी सुलझाने आएंगी मिसेज देशपांडे

माधुरी दीक्षित की अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। माधुरी अपने 40 साल के फिल्मी सफर में पहली बार एक अलग तरह के चैलेंजिंग रोल में दिखने जा रही हैं। माधुरी ने अपनी फिल्मों में अब तक रोमांस, डांस, गाना, कॉमेडी सब किया है लेकिन अब जो वो करने जा रही हैं, वो उन्होंने इससे पहले कभी नहीं किया है। ट्रेलर की शुरूआत माधुरी दीक्षित की फिल्म ह्यदिल तो पागल है ह्व के गाने भोली सी सूरत से होती है। पहली झलक में वह एक शख्स का मर्डर करने के बाद उसे फांसी का फंदा पहनाती दिखती हैं। इसी के साथ शहर में लगातार हो रही मर्डर की घटनाओं ने पुलिस की नाक में दम कर दिया है। बताया जाता है कि ऐसा लग रहा है कि 25 साल पहले वाला सीरियल किलर जाग गया है। इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि असली सीरियल किलर मिसेज देशपांडे जेल के अंदर है और बाहर लगातार मर्डर हो रहे हैं। मिसेज देशपांडे कहती हैं कि मैं अंदर हूं, बाहर कोई मेरी नकल कर रहा है। आखिरकार पुलिस इस सीरियल किलर को पकड़ने के लिए मिसेज देशपांडे की मदद लेते हैं।

बॉर्डर 2 से दिलजीत दोसांझ का फर्स्ट लुक जारी वायुसेना अधिकारी के रूप में नजर आए

टी-सीरीज और जेपी फिल्म्स ने आगामी फिल्म बॉर्डर 2 के पोस्टर के जरिए दिलजीत दोसांझ का पहला लुक जारी कर दिया है। इस पोस्टर से पता चलता है कि इस सीक्वल में अब जमीन के साथ-साथ भारतीय वायुसेना की भूमिका भी प्रमुखता से दिखाई जाएगी। पोस्टर में दिलजीत दोसांझ फाइटर जेट के कॉकपिट में बैठे हुए नजर आ रहे हैं और वायुसेना अधिकारी की वर्दी में हैं। इससे साफ है कि फिल्म में हवाई युद्ध के बड़े दृश्य भी होंगे। वैरायटी के अनुसार, 1971 के युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी मूल फिल्म बॉर्डर (1997) में सनी देओल ने लोंगेवाला की लड़ाई को दिखाया था, जिसमें भारतीय सेना की एक छोटी टुकड़ी ने पाकिस्तानी सेना के बड़े हमले को नाकाम कर दिया था। यह फिल्म भारतीय युद्ध सिनेमा की ऐतिहासिक फिल्म मानी जाती है।

बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं, जिन्होंने पहले अक्षय कुमार स्टारर केसरी (2019) बनाई थी, जो सारागढ़ी की लड़ाई पर आधारित थी। अनुराग सिंह और दिलजीत दोसांझ की यह जोड़ी पहले कई सुपरहिट पंजाबी फिल्मों में साथ काम कर चुकी है, जैसे-जट एंड जूलियट (2012), जट एंड जूलियट 2 (2013), डिसको सिंह (2014), पंजाब 1984 (2014) और सुपर सिंह (2017)। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मेधा राणा, मोना सिंह और सोनम बाजवा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अफवाहों पर लगाया विराम, कहा..

रांचीः रांची में खेले गए पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 17 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। इस मैच में विराट कोहली ने 135 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद कोहली ने साफ कहा कि अब उनका पूरा ध्यान सिर्फ वनडे क्रिकेट पर है। कोहली ने जोर देकर कहा कि वह सिर्फ एक ही फॉर्मेट में भारत के लिए खेल रहे हैं। कोहली ने ये भी कहा कि वह जब भी खेलते हैं, अपना बेस्ट देने की कोशिश करते हैं। विराट कोहली कहते हैं, मैंने 300 से ज्यादा ओडीआई खेले हैं और 15-16 साल का अनुभव है। अगर आप खेल के संपर्क में हैं, आप अभ्यास के दौरान जब गेंदें हिट कर रहे होते हैं, तो आपकी सजगता अच्छी होती है। आप डेढ़ या दो घंटे बिना रुके नेट्स में बैटिंग कर सकते हैं, फिटनेस

बढ़िया है और आप मानसिक रूप से तैयार है, तो सब अपने आप हो जाता है।

फॉर्म अगर नीचे जाती है, तो मैच चाहिए होते हैं, लेकिन जब आप गेंद को अच्छे से मार रहे होते हैं और खेल का मजा ले रहे होते हैं। वह पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। हाल की टेस्ट सीरीज में भारत की 0-2 से हार के बाद उनकी टेस्ट टीम में वापसी के कयास लग रहे थे, लेकिन रांची में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद कोहली ने इन चचाओं को खत्म कर दिया। जब उनके वर्ल्ड कप खेलने को लेकर सवाल पूछे गए, तो टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा, जब वे इतनी अच्छी फॉर्म में हैं, तो ऐसे सवाल उठाने की जरूरत ही क्या है? विराट कोहली की फिटनेस और फॉर्म देखकर उनके भविष्य पर सवाल उठाने का कोई कारण नहीं है।

विराट कोहली ने रांची वनडे में पहले अपने बल्ले से तो बाद में मैच जीतने के बाद प्रजेंटेशन में अपने आलोचकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। इस दौरान विराट ने बीसीसीआई और गौतम गंभीर पर भी तंज कसा। दरअसल, टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर पिछले कुछ समय से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलने का दबाव बनाया जा रहा है। इस चक्कर में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खोना पड़ा था। जब मैच के बाद उनकी तैयारियों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बीसीसीआई और गौतम गंभीर पर तंज कसते हुए कहा कि वह कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में यकीन नहीं करते। प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने पहुंचे विराट कोहली ने कहा, अगर आपको समझ में आए, तो मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में यकीन नहीं करता। मेरा सारा क्रिकेट मेंटल रहा है। जब तक मैं मेंटली अच्छा महसूस करता हूं, मैं गेम खेल सकता हूं। मुझे पता है कब आराम करना है और कब खेलना है। वह 300 से ज्यादा वनडे खेल चुके हैं।

भारतीय टीम की रांची वनडे में अफ्रीका पर जीत के बाद रोहित शर्मा और हैड कोच गौतम गंभीर के बीच लंबी बात हुई। ड्रेसिंग रूम के अंदर दोनों किसी मसले पर चर्चा करते हुए दिखे। इस दौरान रोहित शर्मा और गौतम गंभीर दोनों गंभीर दिख रहे थे। हावभाव से लग रहा था कि दोनों किसी मसले पर एकमत नहीं थे। इन्हीं फोटोज ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। सबका एक ही सवाल था कि क्या रोहित और गंभीर के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई है? हालांकि, तस्वीरें देखकर किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना सही नहीं। इस तरह की फोटोज पूरी बातचीत का संदर्भ नहीं दिखातीं। भारत ने पहला वनडे 17 रन से अपने नाम किया। इसमें रोहित ने 57 रन की पारी खेली, तो विराट के बल्ले से 135 रन की शतकीय पारी आई।

पीएम मोदी के ड्रामे पर बवाल,शीतकालीन सत्र से पहले मीडिया में दिए बयान पर विपक्ष हमलावर

नई दिल्ली: संसद के शीतकालीन सत्र से पहले मीडिया से बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र केवल एक परंपरा नहीं है, यह भारत को विकास के पथ पर ले जाने के प्रयासों में ऊर्जा भरेगा। बिहार विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति का गवाह है। उन्होंने कहा कि विपक्ष बिहार के नतीजों से परेशान है, वह पराजय की निराशा से बाहर निकले। पीएम मोदी ने विपक्षी दलों से कहा कि राजनीति में नकारात्मकता उपयोगी हो सकती है, लेकिन अंततः राष्ट्र निर्माण के लिए सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए।

मैं आपसे अपेक्षा करता हूं कि आप नकारात्मकता को सीमित रखें और राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। यह शीतकालीन सत्र एक और कारण से भी महत्त्वपूर्ण है। हमारे नए सभापति हमारे उच्च सदन को मार्गदर्शन देंगे। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। जीएसटी सुधारों ने देशवासियों में श्रद्धा का वातावरण बनाया है। इस सत्र में भी इस दिशा में बहुत काम होगा। वहीं कांग्रेस पार्टी ने प्रधानमंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए उन पर निशाना साधा है और प्रधानमंत्री को सबसे बड़े ड्रामेबाज तक कह दिया।

संसद में जनता के मुद्दे उठाना ड्रामा नहींः पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव की स्थिति, एसआईआर, प्रदूषण बड़े मुद्दे हैं। इन पर चर्चा होनी चाहिए। संसद फिर किसलिए हैं? यह कोई ड्रामा नहीं है। मुद्दों को उठाना और उन पर बात करना ड्रामा नहीं है। जनता के लिए अहम मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा कोई ड्रामा नहीं है।

अखिलेश बोले, बीएलओ की जान जाना ड्रामा है क्याः समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री को सीधा जवाब देते हुए कहा कि एसआईआर यानी वोटर लिस्ट सुधार को मजाक या ड्रामा नहीं समझा जा सकता। अखिलेश ने आरोप लगाया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ को ठीक करना सरकार की जिम्मेदारी है और इसे हल्के में लेना लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ है। अखिलेश यादव ने कहा कि ड्रामा कौन कर रहा है आप सभी जानते है। यह जो बीएलओ की जान जा रही है, यह ड्रामा है क्या? बीजेपी पुलिस के साथ मिलकर ड्रामा करती है।

लोगों की आवाज उठाना नाटक, तो चुनाव में देंगे जवाबः विपक्ष के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ड्रामा टिप्पणी पर, तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि विपक्ष जो मांग कर रहा है वह एसआईआर पर बहस है। क्या यह नाटक है? अगर लोगों की आवाज उठाना नाटक है, तो लोग अगले चुनाव में उन्हें जवाब देंगे। बीएलओ सहित 40 लोग मारे गए। उन्होंने ईसीआई को दोषी ठहराया है। सरकार की जवाबदेही कहां है? लोग 10 साल पहले नोटबंदी के दौरान कतारों में खड़े थे, काले धन का प्रवाह बढ़ गया है, जवाबदेही कहां है? विस्फोट हो रहे हैं और आतंकवादी हमारे देश में प्रवेश कर रहे हैं, जवाबदेही कहां है? अनियोजित एसआईआर के कारण 40 लोग मारे गए हैं। जवाबदेही कहां है? विपक्ष सवाल पूछने के लिए कानूनी ढांचे के भीतर काम कर रहा है। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने कुछ राज्य जीते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि वे लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं हैं। वही लोग आपको सत्ता से हटा देंगे। हम चर्चा चाहते हैं, तो प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि यह नाटक है।

संसदीय मयार्दा और व्यवस्था रौंद रही सरकार: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि लोगों के असल मुद्दों को सुलझाने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर ड्रामेबाजी की है। खडगे ने कहा कि ह्यसरकार बीते 11 वर्षों से लगातार संसदीय मयार्दा और व्यवस्था को रौंद रही है और ऐसी घटनाओं की लंबी फेहरिस्त मौजूद है।

खडगे ने लिखा कि भाजपा को अब लोगों का ध्यान भटकाने वाले इस ड्रामे को खत्म करके संसद में असल मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए और लोगों का सामना करना चाहिए।

खुद नारे लगा रहे और हमें नारे न लगाने की सलाह: प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जब भी आप कोई बयान दें तो कम से कम ये सोचकर बोलें कि आप लोग क्या कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नारेबाजी की बात करते हैं, लेकिन ह्यमोदी-मोदीह्व के नारे लगाकर भाजपा ने ही शुरू की। जब पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेता प्रधानमंत्री थे, क्या तब ऐसी चीजें होती थीं? क्या लोग सदन में घुसते समय उनके नाम के नारे लगाते थे?

बीड़-बिलिंग में 2 युवकों की मौत, 2 घायल पैराग्लाइडिंग साइट के पास गहरी खाई में गिरी कार

बैजनाथः विश्व प्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग स्थल बीड़ बिलिंग में सोमवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि 2 गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी युवक भवारना, पंचरुखी, ऐहजू और गगरेट के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 12 बजे पैराग्लाइडिंग टेक ऑफ साइट के पास एक कार गहरी खाई में गिर गई, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से जख्मी होा गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर घायलों को खाई से बाहर निकाला और अस्पताल भेजा। प्रारंभिक जानकारी में वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी के प्रेम कुमार बने बिहार विधानसभा अध्यक्ष, लगातार 9 बार जीते चुके हैं चुनाव

पटनाः बिहार की राजनीति से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। बीजेपी के विधायक डॉ. प्रेम कुमार को विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया है। प्रेम कुमार निर्विरोध स्पीकर चुने गए हैं। उन्होंने सोमवार को विधानसभा सचिवालय में अपना नामांकन भरा था।

बीजेपी विधायक प्रेम कुमार के स्पीकर बनते ही सदन में जय श्री राम के नारे लगने लगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मिलकर उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी तक लेकर आए। स्पीकर चुने जाने पर नीतीश कुमार ने प्रेम कुमार को बधाई दी। साथ ही उनके काम की सराहना भी की।

कैबिनेट मंत्री में रहे चुके हैं प्रेम कुमार : बता दें कि प्रेम कुमार पिछले तीन दशकों से लगातार चुनाव जीतते आए हैं और संगठन में भी उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। प्रेम कुमार गया टाउन से लगातार नौ बार जीते चुके है। वे मंत्री के रूप में भी कई महतवपूर्ण विभाग संभाल चुके हैं। कृषि, पशुपालन, पर्यटन, सहकारिता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण और स्वास्थ्य इंजीनियरिंग जैसे लगभग हर बड़े विभाग का कुश्लतापूर्वक संचालन किया है।

देवर को भाभी से हुआ प्यार, रौड़ा बन रहे भाई का किया कत्ल

नई दिल्ली : मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां भाभी से अवैध संबंध चलते छोटे भाई ने बड़े भाई की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने बचने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आते ही सच्चाई सामने आ गई।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटार चौकी का है जहां 29 नवंबर को आरोपी कृष्णा शाह ने खुटार चौकी में पुलिस के पास पहुंचकर जानकारी दी कि उसके बड़े भाई संजीव शाह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया लेकिन डॉक्टरों की रिपोर्ट के बाद खुलासा हुआ कि मृतक संजीव शाह की दम घुटने के बाद मौत हुई है।

इस मामले की जांच रिपोर्ट सीएसपी मुख्यालय पीएस परस्ते ने शुरू की तो आरोपी छोटा भाई कृष्णा शाह पुलिस को गुमराह करता रहा लेकिन पुलिस ने आरोपी से सच उगलवा लिया। फिर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी कृष्णा शाह शराब के नशे का शौकीन था और उसका मृतक की पत्नी से अवैध संबंध था। मृतक ने उन दोनों को कई बार आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था जिसको लेकर आरोपी ने भाई को रास्ते से हटाने की साजिश रची। साथ ही वह इसे आत्महत्या का रूप देना चाहता था लेकिन डॉक्टर की रिपोर्ट और पुलिस की जांच में आरोपी को जेल के शिकंजे तक पहुंचा दिया।

कांग्रेस की बैठक में न आने पर थरूर ने दी सफाई, कहा

90 साल की मां के साथ हूं, एसआईआर मीटिंग से भी रहे थे नदारद

नई दिल्लीः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर बीते कुछ समय से कांग्रेस से किनारा करते नजर आ रहे हैं। वहीं वह कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मोदी सरकार के फैसलों की तारीफ कर चुके हैं। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके।

इस बैठक में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर घमासान

बीएलओ का उग्र प्रदर्शन, चुनाव आयोग के दफ्तर में घुसने की कोशिश

एजेंसी/ कोलकाताः पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर जारी विवाद के बीच बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। कोलकाता में बीएलओ ने सोमवार को चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और ऑफिस का घेराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग के दफ्तर में घुसने की भी कोशिश की। हालात इस कदर बिगड़े कि बीएलओ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में लगे बीएलओ बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बीते हफ्ते भी विरोध प्रदर्शन के दौरान बीएलओ ने जबरन राज्य निर्वाचन आयुक्त के दफ्तर में घुसने की कोशिश की थी। चुनाव आयोग ने कोलकाता के पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर निर्वाचन आयुक्त की सुरक्षा में चूक को बेहद गंभीर बताते हुए निर्वाचन अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। एसआईआर प्रक्रिया में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) काम का भारी दबाव होने का आरोप लगा रहे हैं। बूथ लेवल अधिकारियों का कहना है कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते उन्हें अमानवीय तनाव झेलना पड़ रहा है। बीएलओ का यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है। वहीं भारी काम के दबाव के चलते देशभर से कई बीएलओ की मौत होने का दावा किया जा रहा है। परिवारों का आरोप है कि बीएलओ पर बहुत ज्यादा काम के

अब पाकिस्तान के पार तक मार करेगा ब्रह्मोस, बंगाल की खाड़ी में मिसाइल का सफल कॉम्बैट लॉन्च,8

नई दिल्ली : भारतीय थलसेना की दक्षिणी कमांड ने बंगाल की खाड़ी में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल कॉम्बैट लॉन्च किया। सेना के अनुसार, यह परीक्षण सिर्फ तकनीकी मूल्यांकन नहीं बल्कि युद्ध जैसी स्थिति में मिसाइल की वास्तविक क्षमता दिखाने के उद्देश्य से किया गया था। मिसाइल ने 3457.44 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरते हुए समुद्र में स्थित लक्ष्य को एक मीटर के सर्कुलर एरर प्रॉबेबल के भीतर सटीकता से भेदा। सेना ने इसे भारत की लंबी दूरी की प्रिसीजन स्ट्राइक क्षमता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रदर्शन बताया तथा इसे ह्यबैटल रेडी भारतह्व की भावना को समर्पित क्षण करार दिया।

ब्रह्मोस ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित यह मिसाइल भारत-रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसका नाम ब्रह्मपुत्र और मॉस्कवा नदियों के शुरूआती अक्षरों पर आधारित है। 1998 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को पहली बार 2005 में नौसेना में शामिल किया गया। आरंभिक संस्करण की रेंज 290 किमी तक थी, जिसे मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम प्रतिबंधों के कारण सीमित रखा गया था।

2016 में भारत के एमटीसीआर में शामिल होने के बाद इसकी रेंज को क्रमिक रूप से बढ़ाया गया। पहले 450-500 किमी रेंज वाला एक्सटेंडेड वर्जन विकसित हुआ और 2017 में सफल परीक्षण किया गया। वर्ष 2025 में 800 किमी रेंज वाले कॉम्बैट लॉन्ग रेंज संस्करण ने अपनी क्षमता प्रदर्शित की, जिसका पहली बार मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वास्तविक युद्ध में उपयोग हुआ। यह मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा तथा पनडुब्बी से लॉन्च की जा सकती है, यही कारण है कि

देश 2047 तक सभी के लिए बीमा विजन की ओर अग्रसर, सरकार कर रही बड़ी तैयारी

नई दिल्ली : भारत अगले 7 वर्षों में 2032 तक दुनिया का छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बनने जा रहा है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडाई) के अनुसार, जीवन बीमा कारोबार में भारत दुनिया में दसवें और गैर-जीवन बीमा कारोबार में 15 वें स्थान पर अपनी जगह बनाता है। इसके अलावा, 2019 में वैश्विक जीवन बीमा बाजार में भारत की हिस्सेदारी 2.73 प्रतिशत और वैश्विक गैर-जीवन बीमा बाजार में 0.79 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

इस वर्ष स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा प्रीमियम पर 18 प्रतिशत की जीएसटी रेट कटौती वित्तीय सुरक्षा का तेजी से विस्तार कर रही है। पीएम मोदी के अनुसार, नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार जीवन और स्वास्थ्य बीमा को अधिक किफायती बनाते हैं। साथ ही, 2047 तक सभी के लिए बीमा के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में हमारी इस यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

देश में इरडाई पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा के लिए भारतीय बीमा उद्योग को विनियमित करते हैं और उद्योग के व्यवस्थित विकास के लिए काम करता है।

देश के बीमा क्षेत्र के इतिहास और इरडाई की स्थापना की बात करें तो भारत सरकार ने 1991 में आर्थिक सुधार कार्यक्रम और वित्तीय क्षेत्र में सुधार शुरू कर दिए थे। बीमा क्षेत्र में सुधारों की सिफारिश करने के लिए 1993 में आर.एन. मल्होत्रा की अध्यक्षता में बीमा क्षेत्र में सुधारों पर समिति गठित की गई थी। मल्होत्रा समिति ने 1994 में कुछ सुधारों की सिफारिश की थी। इन सिफारिशों में एक महत्वपूर्ण सिफारिश में बीमा कंपनियों को आगे बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी भी थी। अन्य सिफारिशों में विदेशी प्रमोटरों को भी अनुमति दिए जाने और सरकार द्वारा उसकी नियामक शक्तियां संसद के प्रति जवाबदेह एक स्वतंत्र नियामक निकाय को सौंपने की बात कही गई थी। इसके बाद, बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में इरडाई की स्थापना हुई थी। इरडाई ने अगस्त 2000 में पंजीकरण के लिए आवेदन के आमंत्रण के साथ बाजार खोला। विदेशी कंपनियों को तब 26 प्रतिशत तक के स्वामित्व की अनुमति थी।

इस वर्ष 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बीमा क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमा को 74 प्रतिशत से 100 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। हालांकि, यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में सम्पूर्ण प्रीमियम का निवेश करेंगी।

सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले 9 आर्थिक बिल में एक इंश्योरेंस कानूनों में बदलाव लाने वाला बिल भी शामिल होगा। सरकार बीमा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने को लेकर बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की योजना बना रही है। देश में अभी तक बीमा क्षेत्र ने एफडीआई के जरिए 82,000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

साकची थाना प्रभारी आनंद मिश्रा हुए सम्मानित

बिनय मिश्रा : जमशेदपुर : साकची थाना के थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक आनंद कुमार मिश्रा ने अपने चुस्त- दुरुस्त और फुतीर्लेपन से टाटा स्टील जमशेदपुर में आयोजित हाफ मैराथन दौड़ में पुनः अव्वल और सफल होकर विभाग और जिला का नाम गौरवान्वित किया है। विदित हो कि अपनी उपलब्धि और कामयाबी के लिए पहचाने जाने वाले श्री मिश्रा इससे पूर्व दिल्ली और मुम्बई में आयोजित मैराथन दौड़ में सफलता पाने में अव्वल रहे थे। ऐसे पुलिस अधिकारी पर पुलिस विभाग को गर्व और नाज है।

एआई और पावरफुल परफॉर्मेंस के साथ लॉन्च हुआ गैलेक्सी टैब ए11+

रांची : सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सी टैब ए11+ पेश किया है, जिसमें 11-इंच डिस्प्ले, डोल्बी एटमॉस वाले क्वाड स्पीकर, स्लीक मेटल डिजाइन और पावर-एफिशिएंट प्रोसेसर शामिल हैं। टैबलेट में गूगल जेमिनी, सर्कल टू सर्च और सैमसंग नोट्स पर मैथ सॉल्वर जैसे एआई फीचर्स दिए गए हैं, जो काम, सीखने और मनोरंजन को अधिक सहज और प्रभावी बनाते हैं। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के डायरेक्टर साग्निक सेन ने कहा कि कंपनी ह्लरोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने वाले सार्थक इनोवेशंस तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और गैलेक्सी टैब अ11+ भारतीय उपयोगकताओं के लिए प्रीमियम डिजाइन, एआई क्षमताएं और विश्वसनीय परफॉर्मेंस उपलब्ध कराता है।

महिला से पर्स छीनकर भागे बदमाश

जमशेदपुर : गोलमुरी के टिनप्लेट काली मंदिर के पास शनिवार देर रात महिला से पर्स छीनकर बाइक सवार दो बदमाश भाग निकले। पर्स झपटने में महिला सड़क पर गिर पड़ी और गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना रात करीब 10.50 बजे की है। परसूडीह के नामटोला दुगार्बाड़ी निवासी अनीता शर्मा पति कैलाश शर्मा और पुत्र के साथ मायके से लौट रही थीं। जैसे ही वे टिनप्लेट काली मंदिर के पास पहुंचे, पीछे से आए दो बदमाशों ने अचानक हमला किया। बाइक चला रहे युवक ने अपने साथी से कहा कि पर्स छीनो और पीछे बैठे बदमाश ने झपट्टा मारकर पर्स खींच लिया।
अनीता शर्मा पर्स को मजबूती से पकड़े हुई थीं, लेकिन बदमाशों द्वारा जोर से खींचने पर वह सड़क पर गिर गईं। गिरने से उनके सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। पीछे बैठा उनका पुत्र घबरा गया और उसने तुरंत पिता को बताया कि मम्मी गिर गईं। कैलाश शर्मा ने बाइक रोककर देखी तो उनकी पत्नी सड़क पर घायल पड़ी थीं। उन्हें तुरंत टिनप्लेट अस्पताल ले जाया गया और इसके बाद गोलमुरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़िता के पर्स में 7-8 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और कई जरूरी दस्तावेज थे, जिन्हें बदमाश ले उड़े। घटना के दौरान वहां से गुजर रहे कुछ राहगीरों ने बदमाशों की बाइक की तस्वीर ले ली, जिसमें यह साफ दिख रहा है कि बाइक पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। गोलमुरी थाना पुलिस ने तस्वीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस इस मामले को गंभीर मानते हुए बदमाशों की तलाश में जुट गई है।

सदर अस्पताल में एआरवी की किल्लत

धनबाद : जिले में एंटी रैबीज वैक्सीन (एआरवी) का संकट लगातार गहराता जा रहा है। धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एआरवी करीब एक माह से उपलब्ध नहीं है। सदर अस्पताल में भी अब वैक्सीन की किल्लत होने लगी है। यहां केवल 50 से 60 वाइल एआरवी बची हैं, जिससे एक से दो दिन ही काम चल पाएगा। बता दें कि धनबाद मेडिकल कॉलेज में वैक्सीन खत्म होने के बाद एआरवी के लिए सदर अस्पताल में भीड़ उमड़ रही है। यहां प्रतिदिन 100 से 120 डॉग बाइट पीड़ित पहुंच रहे हैं और वैक्सीन लगवा रहे हैं। ऐसे में एक से दो दिनों में स्टॉक खत्म होने की आशंका है।
वैक्सीन खत्म होने पर मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर्स से अधिक दाम में इंजेक्शन खरीदना पड़ सकता है। इधर, मेडिकल कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि एआरवी की आपूर्ति के लिए आदेश दिया गया है। इस सप्ताह वैक्सीन आने की संभावना है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वैक्सीन की व्यवस्था की जा रही है। सदर अस्पताल में स्टॉक खत्म होने से पहले वैक्सीन आ जाएगी।

सदर अस्पताल में एक्स-रे शुरू, मरीजों को मिली राहत

धनबाद : सदर अस्पताल के मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। करीब एक माह बाद सदर अस्पताल में बंद पड़ी एक्स-रे सेवा फिर शुरू हो गई है। एक्स-रे यूनिट में तीन फेज बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इसके बाद मरीजों का एक्स-रे फिर से होने लगा है। बता दें कि तीन फेज बिजली नहीं मिलने के कारण एमटीसी बिल्डिंग की एक्स-रे मशीन बंद थी, जिससे अस्पताल में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्हें एक्स-रे कराने के लिए निजी सेंटरों का सहारा लेना पड़ता था, जिसमें समय और पैसे दोनों खर्च हो रहे थे।

उपायुक्त ने चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था के दिए निर्देश

दुमका : उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सोमवार को जिले में लगातार बढ़ती शीतलहर और ठंड के मद्देनजर आमजनों को राहत प्रदान करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किया है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, अस्पताल परिसर तथा भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की समुचित व्यवस्था तुरंत प्रभाव से की जाए।

बोकारो में युवक की हत्या से परिजनों में आक्रोश, पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

संवाददाता

बोकारो : हत्या के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस के सामने ही लोगों ने आरोपी और उसकी मां के साथ मारपीट कर दी। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने आरोपी की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की। घटना चीरा चास थाना अंतर्गत शांति नगर की है।

क्षत विक्षत अवस्था में मिला शव

दरअसल, यहां रहने वाले हर्ष कर्मकार के घर टाइल्स मार्बल का काम करने पहुंचे पंकज महतो कल रात से लापता था। परिजनों के मुताबिक, मृतक पंकज महतो रविवार को काम करने आया था लेकिन वह देर रात तक घर नहीं पहुंचा। अगले दिन पंकज महतो का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पुलिस को मिला। जिसके बाद मृतक के परिजन आरोपी के घर पहुंचे और आरोपी से पंकज महतो के बारे में पूछताछ करने लगे।

पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी के घर में तोड़फोड़

मृतक के पिता ने बताया कि हम लोगों को आरोपी की बात पर शक हुआ तो घर की तलाशी करने लगे। हमने देखा कि आरोपी के घर के फर्श पर खून बिखरा हुआ था। जिसके बाद परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। आक्रोशित परिजनों और उनके साथ आए लोगों ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी के घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी और ओर हंगामा करने लगे।
मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी हर्ष कर्मकार को हिरासत में लिया है। इस दौरान कुछ लोगों की भीड़ ने पुलिस के सामने ही आरोपी पर हमला करने की कोशिश की। लोगों से बचाने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करने पड़ी और बीच बचाव करना पड़ा, जबकि मृतक के परिजनों ने पुलिस से बेटे की हत्या करने वाले आरोपी को सजा दिलाने की गुहार लगाई है।

मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती पर बाबा नगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता

बासुकीनाथ : मार्गशीर्ष (अगहन) मास के अंतिम सोमवार शुक्लपक्ष मोक्षदा एकादशी एवं गीता जयंती के दिन बाबा बासुकीनाथ के फौजदारी दरबार में देश विदेश से आये हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के बीच बाबा बासुकिनाथ का स्पर्श पूजा अर्चना किया। सोमवार को लेकर मंदिर प्रबंधन द्वारा बाबा मंदिर सहित सभी मंदिरों का पट कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रातः चार बजे खोला गया। गर्भगृह की साफ सफाई के बाद मंदिर खुलने का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं ने गर्भगृह प्रवेश कर दिन भर पूजा अर्चना किया। मार्गशीर्ष महीना के मोक्षदा एकादशी सोमवार जैसा विशेष तिथि पर आगंतुक श्रद्धालुओं ने कई धार्मिक अनुष्ठान एवं अन्य अनुष्ठानों को भी सम्पन्न कराया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से सोमवार को दिन भर मंदिर परिसर और बासुकिनाथ बाजार गुलजार रहा। संध्या साढ़े चार बजे से पांच बजे तक विश्राम पूजा को लेकर श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश बंद रहा। संध्या पांच बजे से रात्रि साढ़े आठ बजे तक पुनः आगंतुक श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना किय। फिर श्रृंगार पूजा के बाद बाबा मंदिर सभी मंदिरों का पट बंद कर दिया गया।

जया आस्था को पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने किया सम्मानित

संवाददाता

महिला विश्व विद्यालय जमशेदपुर से राजनीति विज्ञान में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली जया आस्था राज्यपाल से सम्मानित और स्वर्ण पदक प्राप्त के पश्चात भगेरिया फाऊंडेशन के तत्वधान में आयोजित रक्तदान शिविर में सिंहभूम गौरव सम्मान से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधू कोड़ा ने सम्मानित किया। श्री कोड़ा ने कहा कि- सिंहभूम, कोल्हान एवं राज्य के लिए भी जया आस्था गौरव है। ऐसी मेधावी छात्रा से सिंहभूम हर्षित है। उन्होनें भगेरिया फाऊंडेशन के तत्वधान में आयोजित रक्तदान शिविर की प्रशंसा करते हुए कहा कि- रक्तदान के साथ साथ सिंहभूम गौरव सम्मान के द्वारा शिक्षा, समाजसेवा एवं खेलकूद में अग्रणीय योगदान देने वालों को सम्मानित करना गौरव की बात है। पूर्व मुख्यमंत्री मधू कोड़ा ने जया आस्था को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए प्रतीक चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर बीएम न्यूज के संपादक विनय मिश्रा भी उपस्थित थे।

धालभूमगढ़ एयरपोर्ट का नाम दिशोम गुरु के नाम पर हो : मूनका

जमशेदपुर : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष (कोल्हान) विजय आनंद मूनका ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर धालभूमगढ़ में प्रस्तावित एयरपोर्ट का निर्माण शीघ्र कराने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया कि इसका नामकरण दिशोम गुरु शिबू सोरेन के नाम पर रखा जाए। यह कदम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। विजय आनंद मूनका ने कहा कि शहर की स्थापना को 100 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। यह देश में स्टील सिटी के नाम से प्रसिद्ध है और झारखंड की आर्थिक राजधानी तथा औद्योगिक नगरी होने के बावजूद इसका विकास अपेक्षित गति से नहीं हो पाया है। इसके लिए एयरपोर्ट की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। यहां उद्योगों की संख्या हजारों में है, लेकिन हवाई अड्डा नहीं होने के कारण यहां के छात्र-छात्राओं को अध्ययन, मरीजों को इलाज और आम नागरिकों को हवाई यात्रा के लिए रांची या कोलकाता जाना पड़ता है।

हरियाणा के मोहित यादव और भारती ने जीता टाटा स्टील का हाफ मैराथन

संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा स्टील की ओर से रविवार को आयोजित पुरुष वर्ग का हाफ मैराथन हरियाणा के महेन्द्रगढ़ के मोहित यादव ने जीत लिया। 21.09 किलोमीटर की दौड़ में वे एक घंटा, चार मिनट, पांच सेकेंड (1:04:05) के समय के साथ अव्वल रहे। उनके बाद प्रयागराज के सचिन यादव 1:04:15, लखनऊ के रवि कुमार पाल 1:04:59, शुभम सिंधु 1:05:18, और धनंजय महतो 1:16:05 रहे। महिलाओं की हाफ मैराथन की विजेता हरियाणा की ही सोनीपत निवासी भारती नैन रहीं। उन्होंने 1:16:38 के साथ टॉप स्पॉट हासिल किया। उनके बाद मुरादाबाद की रेनू सिंह 1:18:38, अंजलि पाटीदार 1:21:03, अनीता दास 1:27:27, और गुड़िया कुमारी 1:37:08 रहीं।
10 किलोमीटर की दौड़ में बलराम ने पुरुष वर्ग में 30:06 मिनट निकालकर विजेता रहे। नवरत्न (30:13), प्रशांत चौधरी (30:23), मोहन सांगवान (30:42) और चंदन यादव (32:12) क्रमशः दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर आए। महिला वर्ग में ज्योति ने 36:16 मिनट के साथ पहला स्थान हासिल किया। उसके बाद संगीता पाल (36:22), अनामिका देवी (39:14), पानो बास्की (42:45) और शोभा महतो (44:22) रहीं। 5 किलोमीटर की दौड़ में युवा और उभरते धावकों ने हिस्सा लिया। पुरुषों की कैटेगरी में, अभिषेक 14:47 मिनट के साथ विजेता रहे। उनके बाद बबलू टुडू (14:53), प्रताप राव (15:28), शिव गुप्ता (16:09) और बाघराय मुर्मू (16:14) रहे। महिलाओं की कैटेगरी में मनाली सिंघा 18:55 के साथ पहले स्थान पर रहीं। उपविजेता मनीषा (20:56) रहीं। दिलकी पारेया (21:18), चाइना गोप (22:04) और लक्ष्मी मुर्मू (22:32) क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सभी वर्गों में कुल मिलाकर भागीदारी मजबूत रही। इस बार की दौड़ का टैगलाइन दिल से दौड़ फोर जमशेदपुर था। 5 से अधिक प्रतिभागी 10 किलोमीटर की दौड़ में 10 किलोमीटर में 1398, 5 किलोमीटर में 957, 2 किलोमीटर के फन रन में 1047 और हाफ मैराथन में 432 धावक शामिल हुए। यह संख्या शहर में बढ़ते रनिंग कल्चर को दिखाता है। महिलाओं की भागीदारी मुख्य फोकस एरिया बनी रही, जिसमें सभी दूरियों में मजबूत प्रतिनिधित्व था।
अलग-अलग उम्र और काबिलियत वाले कुल 3834 प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया, जिनमें 932 महिलाएं और 2902 पुरुष शामिल थे। रविवार सुबह 6 बजे टाटा स्टील जमशेदपुर रन का 10वां संस्करण जेआरडी स्पोट्स कॉम्प्लेक्स से हुआ। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी सह प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन, रुचि नरेंद्रन, टाटा स्टील के कॉरपोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुंदररामम, शैलजा रामम, टाटा स्टील की मेडिकल सर्विसेज की जनरल मैनेजर डॉ. विनीता सिंह, टाटा स्टील यूआईएसएल के एमडी ऋतुराज सिन्हा और टिनप्लेट के एग्जीक्यूटिव इंचार्ज उज्ज्वल चक्रवर्ती के साथ-साथ टाटा इकोसिस्टम के दूसरे सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाई गई।

मेडिकल कॉलेज में लगेगा आधुनिक फायर मैनेजमेंट सिस्टम

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में अब आग से सुरक्षा के लिए व्यवस्था को आधुनिक रूप देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन लेटेस्ट फायर मैनेजमेंट सिस्टम लगाने की तैयारी में जुट गया है। फिलहाल 700 बेड वाले बड़े अस्पताल में फायर सेफ्टी की मजबूत व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं हैं। यहां केवल फायर एक्सटिंग्विशर उपलब्ध हैं। ऐसे में धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आग लगने जैसी किसी आपात स्थिति में मरीजों और कर्मियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर जोखिम बना हुआ है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) कई बार इसपर आपत्ति जता चुका है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह रविवार को धनबाद दौरे पर आए थे।
इस दौरान धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के प्राचार्य डॉ डीके गिंदोरिया ने उनके समक्ष फायर सेफ्टी सिस्टम की कमी से जुड़ा मुद्दा उठाया। डॉ गिंदोरिया ने बताया कि अस्पताल की इमारत बड़ी है और हर दिन सैकड़ों मरीज भर्ती होते हैं। इसके अलावा सैकड़ों डॉक्टर, नर्स और मेडिकल छात्र भी अस्पताल परिसर में मौजूद हैं। ऐसे में किसी भी संभावित हादसे से निपटने के लिए ऑटोमेटिक हाई-प्रेशर वाटर स्प्रिंकलर, फायर अलार्म सेंसर, हाइड्रेंट लाइन, स्मोक डिटेक्टर और इमरजेंसी एग्जिट सिस्टम का होना बहुत जरूरी है। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने पूरे मामले में तुरंत संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रबंधन को विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने और उसे मुख्यालय भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक फायर मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना में देरी किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कार्यकारी एजेंसी के माध्यम से प्रबंधन को जल्द प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया, ताकि राज्य स्तर से उसे स्वीकृत किया जा सके और कार्य शीघ्र शुरू हो सके। अपर मुख्य सचिव के निर्देश के बाद अस्पताल प्रबंधन अब फायर सेफ्टी विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक तकनीकी खाका तैयार कर रहा है।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट कई समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : जिले के अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।
जनता दरबार में जिला प्रभारी पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग ओम प्रियदर्शी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।